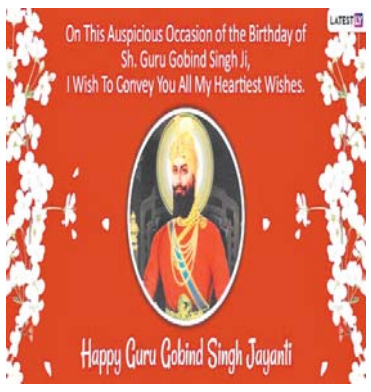

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 160/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 6 जनवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

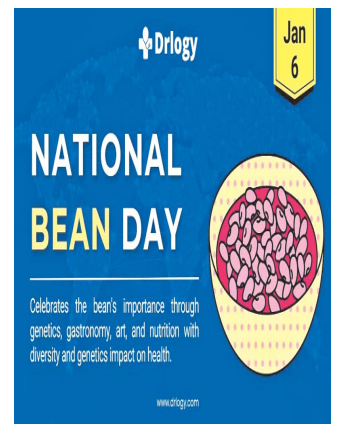

सांध्यप्रकाश विशेष

कोरबा में अरबों के घोटाले का आरोप, पीएम मोदी का लिखा पत्र

रायपुर। कोरबा जिले में एक बड़े घोटाले का आरोप लगाया गया है। आईएएस संजीव कुमार झा पर आरोप है कि उन्होंने अपने कलेक्टर कार्यकाल के दौरान अरबों रुपये की वित्तीय गड़बड़ी की। प्रदेश के पूर्व मंत्री ननकी राम कंवर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस आशय का पत्र लिखकर जांच की मांग की है। पत्र के अनुसार झा ने 1 जुलाई 2022 से 31 जुलाई 2023 के बीच अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कई अनियमितताएं कीं। उन्होंने विभिन्न योजनाओं और कार्यों में धनराशि का गलत उपयोग किया। पत्र में यह भी कहा गया है कि इन योजनाओं की अनुपालन रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत नहीं की गई और विभिन्न विभागीय समितियों द्वारा निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया।

इस अवधि में शहरी विकास, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्यानिकी और पशुपालन विभाग समेत अन्य विभागों के निर्माण कार्यों में भी गंभीर वित्तीय अनियमितताएं पाई गईं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में नगर निगम के पार्क निर्माण और अन्य शहरी परियोजनाओं में भी गुणवत्ता की अनदेखी और वित्तीय हेरफेर के आरोप लगाए गए हैं। कंवर ने अपने पत्र में कहा है कि झा के कार्यकाल में हुए वित्तीय घोटाले की विस्तृत जांच आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि 2022-23 और 2023-24 के वित्तीय वर्ष में किए गए कार्यों की उच्च स्तरीय जांच के लिए एक विशेष जांच समिति का गठन किया जाए। इसके साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग भी की गई है।

डोनाल्ड ट्रंप ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी को बताया फैंटास्टिक वूमेन

वाशिंगटन। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शनिवार को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की. दोनों नेताओं ने ट्रंप के पाम बीच स्थित लागो क्लब में मुलाकात की. वहीं, 20 जनवरी के ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले यूरोपीय देशों के नेता अमेरिका से संबंधों को मजबूत करना चाहते थे. इसी क्रम में मेलोनी ने ट्रंप से पाम बीच पर मुलाकात की है.

पत्रकारों और अन्य द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो के अनुसार, ट्रंप के मार-ए-लागो रिसॉर्ट के सदस्यों ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के परिचय दिए जाने के बाद मेलोनी का स्वागत किया. मीडिया पूल रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने मार-ए-लागो की भीड़ से कहा, ये बहुत ही रोमांचक है. मैं यहां एक शानदार महिला (फैंटास्टिक वूमेन) और इटली की प्रधानमंत्री के साथ हूं. उन्होंने सच में यूरोप में अपना डंका बजाया हुआ है.

इटली के उप प्रधानमंत्री मातो साल्विनी ने रविवार को कहा कि उन्होंने कई मुद्दों पर बात की. उन्होंने कहा कि पिछले महीने ईरान द्वारा हिरासत में ली गई इटली की पत्रकार सेसिलिया साल की दुर्दशा समेत कई मुद्दों पर भी चर्चा की है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो आज अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो आज अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इस समय लिबरल पार्टी के अंदर ही ट्रूडो के खिलाफ माहौल बन चुका है, उन पर इस्तीफा देने का दबाव है। द ग्लोब और मेल की रिपोर्ट के मुताबिक अगर सबकुछ ट्रूडो के खिलाफ गया, आज ही वे इस्तीफा दे सकते हैं।

असल में जस्टिन ट्रूडो नहीं दिखाना चाहते कि उन्हें पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखाया, इसी वजह से नेशनल कॉकस की बैठक से पहले ही वे अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। वैसे यह फैसला उस समय हो सकता है जब ट्रूडो अपने विरोधी नेता से पिछड़ते नजर आ रहे हैं। ऐसे में अपना सम्मान बचाए रखने के लिए वे सामने से ही इस्तीफे की पेशकश कर सकते हैं।

कैसे और कहां से आया धरती पर सोना, अभी भी 53,000 टन सोना दबा पड़ा है!

सोना धरती पर कहां से आया, इसे लेकर कई तरह की धारणाएं हैं। सच्चाई यह है कि सोने की खान में मिलने वाला सोना धरती में नहीं जन्मा, बल्कि ज्वालामुखी फटने के कारण पृथ्वी के अंदर से ऊपर आया था। लेकिन, यह सोना सूर्य के पैदा होने से पहले ही न्यूट्रॉन तारों के टकराव से बना था। इसके अलावा इसके बनने

की कोई और प्रक्रिया नहीं है। पृथ्वी पर जितनी भी सोने की खाने हैं और वहां जो सोना मिला या मिलने वाला है, वह पृथ्वी पर नहीं बना। तो क्या यह सोना क्षुद्रग्रहों से आया था।

कई अध्ययन दावा करते हैं कि पृथ्वी पर बहुत सारा पानी क्षुद्रग्रहों के जरिए ही आया। इसका जवाब है नहीं। क्योंकि, वैज्ञानिकों को कभी किसी भी क्षुद्रग्रह में इतना सोना नहीं मिला कि माना जाए कि वहां से ही सोना यहां पहुंचा था। वैज्ञानिक यह तो जानने में कामयाब हो चुके हैं कि सोना पृथ्वी के मैंटल से पर्पटी के ऊपरी हिस्से तक आया, लेकिन कैसे इसका खुलासा अब हुआ! सोने की खान में मिलने वाला सोना ज्वालामुखी फटने से पृथ्वी के अंदर से ऊपर की ओर आया था।

एक उलझी कहानी सुलझी

अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम ने सोने और सल्फर यानी गंधक के बीच की जटिल और उलझी कहानी का पता लगाया जिससे वे साफ तौर पर यह समझ सके हैं कि सोना मेंटल से पृथ्वी की ऊपरी सतह पर कैसे आया? वे यह भी जानते हैं ब्रह्माण्ड में सोना अंतरिक्ष में दो न्यूट्रॉन तारों के टकराव के हालात की जटिल प्रक्रियाओं में ही बन पाता है।

पृथ्वी के मेंटल के बाद की पहेली

पृथ्वी पर मौजूद सारा सोना करोड़ों अरबों साल पहले ही आ गया था और वह तमाम प्रक्रियाओं से गुजर कर पृथ्वी के अंदर मेंटल में पहुंच गया था। लेकिन यहां से वह पृथ्वी की सतह तक कैसे पहुंचा यह एक बड़ा रहस्य ही था। वैज्ञानिक पहले ही इसकी पड़ताल कर रहे थे, लेकिन वे किसी निर्णायक नतीज पर नहीं पहुंच पा रहे थे।

सटीक प्रक्रिया की तलाश

प्रशांत रिंग ऑफ फायर में जमे सोने के अयस्क पृथ्वी की गहराई में मेंटल से निकला और मैग्मा से सतह के ऊपर की ओर आया था। वैज्ञानिक इसी की सटीक प्रक्रिया जानना चाह रहे थे और नए अध्ययन में उन्हें इसी सफलता मिली थी। यह अध्ययन प्रोसिडिग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस में प्रकाशित हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू रेल डिवीजन का शुभारम्भ किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जम्मू के नए रेलवे डिवीजन का उद्घाटन किया। यह डिवीजन अब तक फिरोजपुर में आता था जो उत्तर रेलवे जोन में है। अब से यह जम्मू डिवीजन कहा जाएगा। यह देश का 69वां डिवीजन होगा। अभी देश में रेलवे के कुल 17 जोन और 68 डिवीजन हैं।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह गर्व और खुशी की बात है कि पीएम मोदी नए जम्मू रेलवे मंडल का उद्घाटन करने वाले हैं। इसकी मांग लंबे समय से हो रही थी। इसके जरिए कश्मीर घाटी को बाकी भारत से जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक सोमवार को पीएम मोदी तेलंगाना के चार्लापल्ली के नए टर्मिनल स्टेशन का भी उद्घाटन करेंगे और ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगढ़ रेलवे

डिवीजन भवन की आधारशिला रखेंगे।

पिछले दिनों राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और जम्मू कश्मीर के कई अन्य भाजपा नेताओं ने पीएमओ में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। इस दौरान भाजपा नेताओं ने उनसे जम्मू रेल डिवीजन बनाने की मांग की थी। जानकारी के मुताबिक, जम्मू रेल डिवीजन में उधमपुर, श्रीनगर, बारामूला रेल लिंक को कवर किया जाएगा।

पीएमओ ने कहा कि जम्मू रेलवे डिवीजन के निर्माण से 742.1 किलोमीटर लंबे पठानकोट, जम्मू, उधमपुर, श्रीनगर, बारामूला, भोगपुर, सिरवाल और बटाला-पठानकोट और पठानकोट से जोगिन्दर नगर ब्लॉक को फायदा मिलेगा। इससे न सिर्फ भारत के अन्य हिस्सों से संपर्क में सुधरेगा, बल्कि रोजगार के अवसर पैदा होंगे, बुनियादी ढांचे का विकास होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज गुरु गोबिंद सिंह जी साहब के प्रकाश पर्व के अवसर पर भोपाल के हमीदिया रोड स्थित गुरुद्वारा पहुँचकर मत्था टेका एवं प्रदेशवासियों की खुशहाली व समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर गुरूद्वारे के प्रमुख ग्रंथी, भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्बाइड के कचरे को लेकर हाई कोर्ट ने सरकार को 6 सप्ताह का दिया समय

फैक्ट्री के स्टोर में खाली करें कंटेनर

भोपाल। यूनियन कार्बाइड के रासायनिक कचरे के डिस्पोजल और पीथमपुर के आसपास के माहौल को शांत करने के लिए जबलपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 6 सप्ताह का समय दिया है। कोर्ट ने 12 कंटेनरों में भरे हुए यूनियन कार्बाइड की रासायनिक कचरे को फैक्ट्री के स्टोर में खाली करने की इजाजत भी दे दी। इससे पहले आज राज्य सरकार ने कचरे को नष्ट करने के हाईकोर्ट के आदेश पर अब तक उठाए गए कदम की रिपोर्ट पेश की। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट से की थी 6 हफ्ते का और समय दिए जाने की मांग महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने हाई कोर्ट से अपील की थी कि राज्य सरकार पीथमपुर की जनता को शांत करने और समाझने के लिए 6 सप्ताह का समय चाहती है। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैथ की पीठ में सुनवाई हुई।

पीथमपुर में धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश

इधर, पीथमपुर में जिला प्रशासन ने धार जिले की राजस्व सीमाओं में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अधीन प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। ये आदेश सोशल मीडिया से अफवाह फैलाने पर नियंत्रण के लिए हैं।

अर्जी मान ली और जनता को समझा-बुझा कर शांत करने के लिए उन्हें 6 सप्ताह का वक्त दिया है। हाई कोर्ट ने 3 दिसंबर 2024 को आदेश दिया था कि इस रासायनिक कचरे को वैज्ञानिक विधि से नष्ट किया जाए। इस मामले में आज मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैथ की पीठ में सुनवाई हुई।

मौसम: यूपी में ठंड से 24 घंटे में 15 की मौत

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी इलाकों में जारी बर्फबारी की वजह से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग ने 10 राज्यों- दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कोहरे का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में ठंड की वजह से 24 घंटे में 15 लोगों की मौत हुई है।

दिल्ली, कोलकाता और लखनऊ एयरपोर्ट पर धुंध की वजह से 100 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट या डायवर्ट हुई हैं। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कोलकाता, पटना और श्रीनगर से आने वाली फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर 20 से अधिक फ्लाइट्स देरी से आईं। कोलकाता एयरपोर्ट पर दिल्ली और हैदराबाद से आने वाली फ्लाइट्स को नागपुर, भुवनेश्वर और रायपुर डायवर्ट करना पड़ा। इसके अलावा दिल्ली में सुबह बारिश हुई। धुंध के कारण 10 ट्रेनें भी लेट हुई हैं। कानपुर रेलवे स्टेशन पर भी 93 ट्रेनें 11 घंटे तक लेट चलीं। राजस्थान में सोमवार से तापमान में तेज गिरावट आ सकती है। दिन-रात का टेम्परेचर 2-3 डिग्री गिर सकता है। कोल्ड वेव का भी असर रहेगा। मध्य-प्रदेश में 7 जनवरी से तेज ठंड का दौर फिर से शुरू होगा। 10 जनवरी को राज्य के अधिकतर जिलों में बारिश के आसार हैं।

कांग्रेस ने किया प्यारी दीदी योजना का ऐलान

महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा

दिल्ली चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले कांग्रेस ने बड़ी घोषणा की है। कांग्रेस ने प्यारी दीदी योजना का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा किया है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि आज मैं यहां %प्यारी दीदी% योजना का शुभारंभ करने आया हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस दिल्ली में सरकार बनाएगी और हम महिलाओं को 2,500 रुपये देंगे और इसका फैसला कैबिनेट की पहली बैठक में ही किया जाएगा। यह उसी मॉडल पर है जो हमने कर्नाटक में लागू किया था।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर के साथ हुई थी हैवानियत

टूटी गर्दन, 15 फ्रैक्चर, पसलियों के टुकड़े, ऑटोप्सी रिपोर्ट में खुलासा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। छत्तीसगढ़ पुलिस की एसआईटी ने हत्याकांड के मुख्य आरोपी को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। बीजापुर एसपी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हत्याकांड का मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर है, जो पत्रकार मुकेश चंद्राकर का रिश्तेदार है। सुरेश कांग्रेस नेता है और मुकेश ने उसके भ्रष्टाचार को उजागर किया था। इस बीच, मुकेश चंद्राकर की ऑटोप्सी रिपोर्ट में बड़े खुलासे हुए हैं। उनके लीवर के 4 टुकड़े मिले, जबकि 5 पसलियां टूट गई। सिर में 15 फ्रैक्चर, हार्ट फटा और गर्दन टूटी मिली है। डॉक्टरों ने कहा, उन्होंने 12 वर्ष के करियर में ऐसी हत्या नही देखी। मुकेश चंद्राकर की हत्या के मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर को पुलिस ने हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया। मुख्य षड्यंत्रकारी ठेकेदार सुरेश चंद्राकर ने अपने चचेरे भाई रितेश चंद्राकर और महेंद्र रामटेके के साथ घटना को अंजाम दिया।

कोरोना जैसे चीनी वायरस का भारत में दूसरा केस

3 महीने की बच्ची संक्रमित, पहला मामला 8 महीने के बच्चे का; दोनों कर्नाटक के

बेंगलुरु। चीन में फैले कोरोना जैसे वायरस का भारत में दूसरा केस मिला है। सोमवार को 3 महीने की बच्ची में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) नाम का संक्रमण मिला। इससे पहले 8 महीने के बच्चे में यही वायरस मिला था। दोनों बच्चे बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कर्नाटक में एचएमपीवी के दो केस मिले है। दोनों बच्चे रुटीन जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। टेस्ट कराने पर उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया कि बच्चों के सैंपल निजी अस्पताल में जांचे गए और उन्होंने सरकारी लैब में जांच नहीं कराई।

वायरस के लक्षण कोविड जैसे, छोटे बच्चों पर सबसे ज्यादा असर

एचएमपीवी वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

केंद्र सरकार ने कहा था- एचएमपीवी इस मौसम में सामान्य वायरस

चीन में एचएमपीवी के बढ़ते मामलों के बीच इमरजेंसी जैसे हालात बनने की बात कही गई थी। हालांकि भारत सरकार ने 4 जनवरी को जॉइंट मॉनीटरिंग ग्रुप की बैठक की थी। इसके बाद सरकार ने कहा था कि फ्लू के मौसम को देखते हुए चीन की स्थिति असामान्य नहीं है और सरकार इनसे निपटने के लिए तैयार है

एचएमपीवी की आहट से सहमा बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी में गिरावट

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को हरे निशान पर कारोबार शुरू होने के बावजूद बिकवाली हावी हो गई। बाजार में यह गिरावट एचएमपीवी के दो मामले सामने आने के बाद देखी गई। निवेशक नए वायरस

की खबर के बाद चिंता में दिखे। सुबह 11 बजकर 51 मिनट पर सेंसेक्स 1,151.41 (1.45 प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 78,085.34 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी 317.80 (1.32 प्रतिशत) अंक गिरकर 23,686.95 पर पहुंच गया। इससे पहले, भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को हरे निशान में खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 296.94 अंक चढ़कर 79,520.05 के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि निफ्टी 85.2 अंक चढ़कर 24,089.95 के स्तर पर पहुंच गया।

बुंदेली का कुम्भ तीर्थ ओरछा में कल से, संस्कृति मंत्री करेंगे शुभारंभ

भोपाल। बुन्देली भाषा का राष्ट्रीय सम्मेलन-2025',अखिल भारतीय बन्देलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद भोपाल के तत्वावधान में 7 और 8 जनवरी 25 को ओरछा के होटल बुन्देलखण्ड रिवर साइड में विविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समारोहों के साथ आयोजित किया जा रहा है। संस्कृति मंत्री म.प्र. कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। उत्तर प्रदेश के मंत्री कुषवाहा व सांसद अतिथि होंगे। संयोजन राजा ओरछा मधुकर शाह एवं अध्यक्षता ख्यात पद्मश्री कवि कैलाश मड़बैया करेंगे। सम्मेलन में अमेरिका के डॉ नेमि के साथ भारत के प्रतिष्ठित बुन्देली साहित्यकार भागीदारी करते हुये केवल बुन्देली में आलेख पाठ और राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में रचना पाठ करेंगे। बुन्देली सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं 2025 के बुन्देली कलेंण्डर व ग्रंथों का लोकार्पण होगा। समारोह में बीरसिंह देव पुरस्कार व शान्तिदेवी सम्मान भी विशिष्ट विभूतियों को प्रदान किया जायेगा।

मीना समाज के प्रदेश अध्यक्ष बने रामनिवास रावत

भोपाल। मध्य प्रदेश मीना समाज सेवा संगठनकी एक विशेष आमसभा संगठन के निर्माणाधीन छात्रावास ग्यारवा मील होशंगाबाद रोड रोड पर आयोजित हुई। जिसमें राम निवास रावत को मध्य प्रदेश मीना समाज सेवा संगठन का प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया है। रामनिवास रावत का प्रस्ताव पूर्व अध्यक्ष एवं फाउंडर मेंबर हरि सिंह वर्मा जी एडवोकेट द्वारा रखा गया तथा समर्थन। पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मीना समाज। गणपत पटेल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री एडवोकेट संतोष मीना, तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष लीलेन्द्र सिंह मारण द्वारा रखा गया। इस अवसर मुख्य रूप से मार्गदर्शन एवं उद्बोधन देने वालों में सर्वश्री पूर्व आईएएस के .एस मारण, डॉक्टर रवि वर्मा जी, गोपाल सिंह मीणा, पूर्व विधायक ममता मीणा, पूर्व आईपीएस रघुवीर सिंह मीणा, पूर्व जिला पंचायत अध्ययन लखन सिंह मीणा, मखमल सिंह मीणा, पूर्व कमिश्नर कैलाश मीणा, रमेश मीणा, अनुरुद्र मीणा, एडिशनल एसपी अमृत मीणा, आदि अनेक वरिष्ठ सामाजिक गणमान्य व्यक्तियों द्वारा संबोधित किया एवं सफल संचालन आरएस। मीणा एवं ब्रजेश मीणा, द्वारा किया गया।

रावत ने महाविद्यालय के विकास को लेकर जन भागीदारी समिति बैठक को संबोधित किया

भोपाल। देवेंद्र रावत ने महाविद्यालय के विकास को लेकर जन भागीदारी समिति बैठक को किया संबोधित। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल, जन भागीदारी समिति के सदस्य बालिस्ता रावत ने बताया कि, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल, जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष एवं जिला अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र रावत ने महाविद्यालय के विकास तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर जन भागीदारी समिति की बैठक को किया संबोधित । बैठक में महाविद्यालय के आसपास के अतिक्रमण को मुक्त कराने, महाविद्यालय पूल चार कमरों का शासन द्वारा अधिग्रहण पर चर्चा, महाविद्यालय की सुरक्षा एवं नवीन आधारभूत संरचना पर विचार-विमर्श, प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन, अतिथि विद्वानों के मानदेय पर विचार-विमर्श, विधि विषय में सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने पर विचार-विमर्श तथा बस सुविधा एजेंडा पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किया । बैठक के समापन पर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं समिति सचिव डॉ.पुष्पलता चौकसे ने आभार व्यक्त किया। बैठक में सुधीर दांते, किशन सूर्यवंशी, पीएन राजपूत, एमएल रॉय, देवेंद्र चौहान, डॉ.जेके परमार आदि मौजूद रहे।

विश्वकर्मा समाज के सभी संगठनों की संयुक्त बैठक में युवक-युवती परिचय सम्मेलन को लेकर बनाई रूपरेखा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर विश्वकर्मा के नेतृत्व में विश्वकर्मा समाज की विशाल बैठक संपन्न हुई जिसमें विश्वकर्मा समाज के सभी संगठनों के अध्यक्ष संरक्षक सचिव उपाध्यक्ष उपस्थित रहे विश्वकर्मा समाज का परिचय सम्मेलन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव एवं विचार विमर्श बैठक संपन्न हुई जिसमेंआगामी दिनांक में जो विश्वकर्मा समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन किये जा रहे है उसकी रूपरेखा तैयार करने हेतु एक विशेष महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। जिसमें समिति संस्थापक, अध्यक्ष, सचिव एवं प्रबुद्धजनों एवं सामाजिक बंधु बैठक में उपस्थित हुए और सभी ने निर्णय लिया कि सामाजिक कार्यों में सभी एक साथ एकत्रित होकर सामाजिक कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। इस बैठक में समस्त समितियों का संयुक्त आयोजन विश्वकर्मा विकास परिषद् भारत श्री विश्वकर्मा महापंचायत मध्य प्रदेश म.प्र.क्षेत्रीय विश्वकर्मा समाज समिति छोला भोपाल म.प्र.श्री विश्वकर्मा समाज सेवा समिति करोंद, भोपाल म.प्र.विश्वकर्मा विकास समिति कोलार भोपाल म.प्र.विश्वकर्मा विकास कल्याण समिति कोलार भोपाल म.प्र.आयोजन मंडल समिति हरिशंकर विश्वकर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, ओम विश्वकर्मा विकास परिषद भारत सर्व विश्वकर्मा समाज समिति संस्थापक ज्वाला प्रसाद विश्वकर्मा संस्थापक लालाराम विश्वकर्मा विश्वकर्मा समाज सेवा समिति करोद रामकिशोर विश्वकर्मा, प्रदेश अध्यक्ष, विश्वकर्मा महापंचायत म.प्र.महेन्द्र विश्वकर्मा (रामू भैया) प्रदेश अध्यक्ष, श्री विश्वकर्मा समाज सेवा समिति करोंद, भोपाल शिवचरण झा, संस्थापक क्षेत्रीय विश्वकर्मा समाज समिति छोला भोपाल म.प्र.ओमप्रकाश विश्वकर्मा, प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय विश्वकर्मा समाज समिति छोला भोपाल म.प्र. राजेश विश्वकर्मा, अध्यक्ष, विश्वकर्मा विकास समिति कोलार भोपाल म.प्र.राजाराम विश्वकर्मा, अध्यक्ष, विश्वकर्मा विकास कल्याण समिति कोलार भोपाल म.प्र. पवन विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष विश्वकर्मा महापंचायत मध्य प्रदेश सुरेश विश्वकर्मा अध्यक्ष विश्वकर्मा उत्सव समिति अयोध्या नगर भोपाल सचिव विकास उत्सव समिति राम विश्वकर्मा अयोध्या बायपास अध्यक्ष कन्हैया विश्वकर्मा संपूर्ण भारत विश्वकर्मा लक्ष्मी नारायण सेवा समिति भोपाल कविता विश्वकर्म अध्यक्ष ओम विश्वकर्मा समाज विकास परिषद भारत संस्थापक भगवान दास विश्वकर्मा मंदिर सोमवारा संस्थापक देवी सिंह विश्वकर्मा मुन्ना भैया केशव विश्वकर्मा सूरज विश्वकर्मा संतोष विश्वकर्मा विजय विश्वकर्मा केसर सिंह विश्वकर्मा शरद विश्वकर्मा एडवोकेट, सचिव, क्षेत्रीय विश्वकर्मा समाज समिति छोला भोपाल म.प्र. एवं राम विश्वकर्मा अयोध्या बायपास सहित सामाजिक बंधु बैठक में सम्मिलित हुए और सभी ने निर्णय लिया कि आने वाले कार्यक्रम को सभी मिलकर सफल बनाएंगे भोपाल के समस्त विश्वकर्मा समाज समितियां के अध्यक्ष संरक्षक उपाध्यक्ष सचिव इस बैठक में उपस्थित रहे।

सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने में परिचय सम्मेलनों का महत्वपूर्ण योगदानः सबनानी

भोपाल। निषादवंशीय सर्वगोत्रिय समाज का अखिल भारतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन मानस भवन श्यामला हिल्स पर रविवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के विधायक भगवानदास सबनानी का रायकवार समाज के अध्यक्ष ने माला पहनकर स्वागत किया, स्वागत भाषण में सुभाष रायकवार ने श्री भगवानदास सबनानी सहित मंच पर आसीन सभी सामाजिक बंधुओ का आभार व्यक्त कर अपना अमूल समय देने के लिए धन्यवाद किया, और भोपाल शहर में निषाद राज की मूर्ति स्थापित करने के लिए सभी से सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर श्री सबनानी ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि जहां भगवान श्रीराम का नाम आता है वहां निषाद राज का नाम भी आता ही है, वर्तमान समय में सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने में परिचय सम्मेलन का महत्वपूर्ण योगदान है मैं आयोजन समिति को बधाई देता हूं इस तरह के सामाजिक कार्य को करने के लिए और निषाद राज की मूर्ति स्थापित करने के लिए मैं अपनी तरफ से भी एक लाख रुपए की राशि देने की घोषणा करता हूं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में निषादवंशीय सर्वगोत्रिय समाज के साथ ही भारतीय जनता पार्टी के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधि-विधान से रही महाराज अग्रसेन की महाआरती

भोपाल। अग्रवाल समाज द्वारा अग्रकुल प्रवर्तक एवं आराध्य देव अग्रसेन महाराज और कुलदेवी महालक्ष्मी की महीने के प्रथम रविवार को महाआरती करने का जो संकल्प लिया था, जिसका क्रम निरंतर जारी है। उसी क्रम को यथावत रखते हुए आज आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने, भोपाल में दसवीं महाआरती की गई। सर्वप्रथम भगवान अग्रसेन महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण किया। उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने भगवान अग्रसेन महाराज एवं मां कुलदेवी महालक्ष्मी की आरती की। आरती की जजमानी ओमप्रकाश अग्रवाल (संपादक अग्रसत्ता पत्रिका) द्वारा की गई।

मीडिया प्रभारी नितिन गुप्ता और विनीत अग्रवाल ने बताया कि महाआरती सभी अग्रबंधुओं के सहयोग, समर्थन और मार्गदर्शन से सफल हो रही है। महाआरती से अग्रवाल समाज में जो जागृति, उत्साह एवं उमंग का माहौल है वह देखते ही बनता है। महाआरती में भोपाल में निवासरत विभिन्न क्षेत्र के अग्रबंधु सपरिवार शामिल होते है। आरती में लक्की ड्रा का आयोजन किया गया। विजेता को मुकेश गोयल एवं डॉ. अंकुर अग्रवाल द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

नारायण गुरु मंदिर से सिवागिरि तीर्थयात्रा का आयोजन

भोपाल। श्री नारायण मिशन भोपाल गोविंदपुरा स्थित श्री नारायण गुरु मंदिर से सात दिवसीय सिवागिरि तीर्थयात्रा का आयोजन किया। इस आयोजन में श्री नारायण संदेश परिषद, कोलार रोड और यूथ विंग की सक्रिय भागीदारी रही। सिवागिरि तीर्थयात्रा, श्री नारायण गुरु की उस दृष्टि से प्रेरित थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि तीर्थयात्राओं का उद्देश्य ज्ञान, समानता और समग्र विकास को बढ़ावा देना होना चाहिए। सात दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में आध्यात्मिक प्रवचन और भजन आयोजित किए गए, जिनमें भोपाल और आस-पास के क्षेत्रों के अनेक भक्त और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य कार्यक्रम, सिवागिरि तीर्थदनम पदयात्रा, संपन्न हुआ। इसकी शुरुआत गुरु पूजा, गुरु पुष्पांजलि और सरदा पुष्पांजलि से श्री नारायण गुरु मंदिर में हुई। श्री प्रकाशन एस., अध्यक्ष, श्री नारायण मिशन, भोपाल, और श्यामला सोमन, उपाध्यक्ष, के साथ बी. राजू, महासचिव ने बताया कि श्री नारायण संदेश परिषद और बैरागढ़ व मंडीदीप जैसे आस-पास के क्षेत्रों से तीर्थयात्रियों ने इस पदयात्रा में भाग लिया। विदिशा, सारणी, बैतूल और दिल्ली जैसे स्थानों से भी लोग शामिल हुए। इस पदयात्रा में केरल के अरवक्काडु श्रीदेवी कला समिति द्वारा प्रस्तुत सिंगारिमेलम की लयबद्ध ध्वनि ने इसे और विशेष बनाया। स्हरूके युवा और महिलाओं ने भी इस सिंगारिमेलम में भाग लिया। यह पदयात्रा गोविंद गार्डन और मेहता मार्केट जैसे प्रमुख स्थलों से गुजरते हुए गुरु मंदिर पर समाप्त हुई।

ऑल इंडिया बीएचईएल एम्पलाइज यूनियन ने मंत्री कृष्णा गौर की उपस्थिति में कंबल वितरित किए

भोपाल। ऑल इंडिया बीएचईएल एम्पलाइज यूनियन(ऐबू) के महासचिव रामनारायण गिरी एवं उनकी टीम के द्वारा गोविंदपुरा विधानसभा की विधायक एवं मंत्री मध्यप्रदेश शासन कृष्णा गौर के हाथों 251 कंबल गरीब एवं असहाय लोगों में वितरित करने के लिए अखंड ज्योति जन कल्याण समिति के अध्यक्ष अंकित मेश्राम बिट्टू को प्रदान किये गय। ज्ञात हो कि अंकित मेश्राम द्वारा लगातार कंबल वितरण का कार्य मंत्री कृष्णा गौर के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में चल रहा है। यूनियन के सचिव एवं मीडिया प्रभारी आशीष सोनी ने बताया कि आज यूनियन के महासचिव रामनारायण गिरी के नेतृत्व में यूनियन के पदाधिकारी मंत्री श्रीमती कृष्ण गौर जी के निवास पर पहुंचे एवं उनके मार्गदर्शन एवं सान्निध्य में उनके हाथों से कंबल अखंड ज्योति जन कल्याण समिति के पदाधिकारियों को प्रदान किए इस अवसर पर अवधपुरी के मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धोटे,भाजपा पदाधिकारी विवेक दत्त भी उपस्थित रहे साथ ही साथ यूनियन के पदाधिकारियों में मुख्य रूप से अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार, सचिव एवं मीडिया प्रभारी आशीष सोनी, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र दहाट, वीरेंद्र सिंह, विशाल वाणी, गजेंद्र सोनी, रामनिवास पाटीदार, योगेश सराठे ,योगेश देवस्कर, प्रदीप पटेल , दीपक चौरसिया,अजीत कुशवाह,राहुल वर्मा , रामानंदन सिंह, रमेश किराड़ीया,राजेश रावल, शरद उईके आदि उपस्थित रहे।

गुरु गोविंद सिंह की 359वीं जयंती पर माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरण होगा

भोपाल। अखिल भारत हिंदू महासभा द्वारा प्रदेश अध्यक्ष रोहित दुबे जी के निर्देशन पर एवं संभाग अध्यक्ष स्वतंत्र बाबू गुप्ता एवं देवेंद्र तिवारी संभागीय भोपाल संगठन मंत्री के मुख्य अतिथि तथा गौ संभाग अध्यक्ष ओम हिंदू एवं बलराम प्रजापति भोपाल जिला उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में मीनल गेट नंबर एक पर शाम 5 बजे से शाम 8 बजे तक सिक्कों के दसवें गुरु गोविंद सिंह को माल्यार्पण कर नमन किया जाएगा जिसमें अनेकों कार्य करता शामिल होंगे वहीं क्षेत्रीय जन समस्या शहर एवं क्षेत्र में एवं पूरे प्रदेश में गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा मिले इस विषय को लेकर भी चर्चा की जाएगी मध्य हमारे प्रधानमंत्री जी से हम फिर से मांग करते हैं कि गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिया जाए एवं भारत को हिंदू राष्ट्र बनाया जाए जो कि आज बैठक में ढोल नगाड़े बाजो के साथ प्रशासन एवं शासन से अखिल भारत हिंदू महासभा यह मांग करती है कि गौ माता को राष्ट्रमाता और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाया जाए बैठक में आज शामिल होंगे सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रदेश सह संगठन मंत्री गौरव शर्मा जी प्रदेश विधि कार्यकारी अध्यक्ष राकेश मिश्रा प्रदेश कोषाध्यक्ष शांतनु महोरकर जिला अध्यक्ष निकेत शर्मा भोपाल दुर्गा प्रसाद राजपूत संभाग भोपाल जिला प्रवक्ता दीपक विश्वकर्मा जी उपाध्यक्ष एवं पवन कुमार राजपूत भोपाल जिला गोरक्षा अध्यक्ष एवं माधुरी मिश्रा जी कार्यकारी अध्यक्ष जिला भोपाल वार्ड अध्यक्ष सभी 85 वार्ड अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे।

आरजीपीवी में एमपी प्राइड -2025 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज द्वारा एमपी प्राइड -2025 के आयोजन अंतर्गत विश्वविद्यालय के सभागार में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया ,जिसका विषय हार्नेसिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर ड्रग डिस्कवरी एंड डिज़ाइन था।इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रो नवीन सेठ, पूर्व कुलपति, जीटीयू, अहमदाबाद, गुजरात तथा प्रो राजीव त्रिपाठी, कुलपति, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा किया गया । उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस यूटीडी आरजीपीवी की निदेशक प्रो दीप्ति जैन ने बताया कि इस सम्मेलन में विशेषज्ञ व्याख्यान डॉ. सी. कर्थिकेयन, यूएसए, डॉ. राजेंद्र बधाने, फिनलैंड और पिरामल हेल्थकेयर के डॉ. प्रभात श्रीवास्तव द्वारा दिए गए । सम्मेलन में कुल 410 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें फार्मास्यूटिकल साइंसेज, लाइफ साइंस और एलाइड साइंसेज के फैकल्टी सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों, शोध आधारित संस्थानों/संगठनों, आयुष विभागों और फार्मास्यूटिकल उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल थे।

बड़े तालाब बोट रेस में प्रदेश के अलग-अलग शहरों से शामिल हुई नाविकों की टीमें

यह सबसे बड़ी और ऐतिहासिक बोट रेस हैं: रामेश्वर शर्मा

संत हिरदाराम नगर। राजधानी में साल में एक बार होता है जब बड़े तालाब पर प्रदेश के अलग-अलग शहरों से नाविकों की टीम पहुंचकर बोट रेस का हिस्सा बनती है। शनिवार को संत नगर में बड़े तालाब बेहटागांव में स्वर्गीय कन्छेदीलाल केवट की स्मृति में आयोजित विधायक बोट रेस में नर्मदापुरम, रायसेन, जैत सहित कई जगहों से करीब 36 टीमों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामेश्वर शर्मा मौजूद थे।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए आयोजक टीम और अध्यक्ष रोहन केवट बधाई के पात्र है। यह भोपाल की सबसे बड़ी बोट रेस हैं इस प्रकार के आयोजन होते रहें जिससे युवा अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सके। बोट रेस को देखने के लिए संत हिरदाराम नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण व शहरी इलाकों के लोग भी शामिल हुए। आयोजन में सीनियर बोट रेस के प्रथम पुरूस्कार विजेता के रूप में टी.वी.एस. राईडर बाईक का ईनाम बाबू मांझी, आकाश चौहान को दिया गया एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप में 21,000 रूपए नगद सुधीर रैकवार, विशाल रैकवार को दिया गया। तृतीय पुरूस्कार के रूप में 11,000 रूपए राज मांझी, रोहित मांझी को दिया गया। कश्ती रेस में प्रथम पुरूस्कार विजेता के रूप में टी.वी.एस. राईडर बाईक का ईनाम अजय मांझी, कृष्णा मांझी को दिया गया एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप में 21,000 रूपए रोहन कीर, विशाल कीर को दिया गया एवं तृतीय पुरूस्कार के रूप में 11,000 रूपए गौतम कीर, समीर कीर को दिया गया। जूनियर बोट रेस में प्रथम पुरूस्कार विजेता के रूप में 21,000 रूपए प्रयांश मांझी, संजय मांझी को दिया गया एवं द्वितीय पुरूस्कार के रूप में 11,000 रूपए रूपये आकाश मांझी, सुभाष मांझी को दिया गया एवं तृतीय पुरूस्कार के रूप 5,100 रूपए राज मांझी, आयूष मांझी को दिया गया। इसके साथ ही विजेताओं एवं प्रतिभागीयों को मंच पर सम्मानित भी किया गया। उक्त पुरूस्कार के अलावा सभी विजेता प्रतिभागियों को शील्ड भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक राम बंसल, मण्डल अध्यक्ष मनीष बागवानी, भोपाल फन्दा ग्रामीण जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत, पूर्व मण्डल अध्यक्ष कमल वीधानी, चन्दू ईसरानी, सुरज यादव, विकास मारण, शेट्टी चंदनानी, भगवत विश्वकर्मा, लीला राजपूत, हीरो हिन्दू आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भारत की हार का प्रमुख कारण टिकाऊ बल्लेबाज का ना होना

विराट अब बौने हो गए, रोहित अब हिटमैन नही

त्वरित टिप्पणी
जी. के. छिब्बर

ऑस्ट्रेलिया में भारत की 3/1 से पराजय का मुख्य कारण पूरी श्रृंखला में बल्लेबाजी की असफलता है टीम में कोई भी खिलाड़ी राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसा टिकाऊ बल्लेबाज नही था

विराट जैसे खिलाड़ी बौने हो गए ओर रोहित अब हिटमैन नही रहे प्रारंभिक बल्लेबाजी समस्या बनी रही आठ नम्बर तक बल्लेबाज रहे पर परिणाम शून्य पूरी श्रंखला जसप्रीत बुमराहा पर आश्रित रही सहयोगी तेज गेंदबाज भी ओसत रहे। ऐसे में जीत की कल्पना करना ही बेमानी है भारत ने श्रंखला तो हारी और विश्व क्रिकेट का फाइनल में जाने का अवसर भी गवां दिया । अब बीसीसीआई को यह सुनिश्चित करना होगा की जिन्हे टेस्ट मैच खेलना है उन्हें घरेलू रणजी ट्रॉफी में आवश्यक रूप से खेलना होगा तेज गति के विकेट पर खेलने का प्रशिक्षण लेना होगा इस श्रंखला में विराट कोहली और अन्य खिलाड़ी ऐसे खेल रहे थे जैसे भारत की विकेट है ऑस्ट्रेलिया जैसे तेज विकेट भारत में नही है यही भारत की पराजय का मुख्य कारण है टीम में 4 तेज गति के गेंदबाज जरूरी थे जबकि जसपीत बुमरहा का चोट के कारण ना खेलपाना भी पांचवे टेस्ट में बुरी पराजय का कारण बना। अब हमें टिकाऊ बल्लेबाज और प्रभावी कप्तान का विकल्प खोजना होगा।

प्रदेशाध्यक्ष की दौड़ में दिग्गज

50 प्रतिशत जिलाध्यक्ष घोषित होते ही होगा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश बीजेपी के जिला अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। करीब आठ-दस जिलों में स्थानीय नेताओं के बीच चल रही रस्साकशी रोकने के लिए बैठकों और चर्चाओं का दौर चल रहा है। बीजेपी की पहली सूची में 50त्न से ज्यादा जिलों के अध्यक्ष घोषित हो जाएंगे। इसके फौरन बाद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा तीसरा कार्यकाल पाने के लिए प्रयासरत हैं। वहीं, जातिगत समीकरणों में ब्राह्मण वर्ग से नरोत्तम मिश्रा, राजेंद्र शुक्ल और अर्चना चिटनीस पूरी ताकत लगा रहे हैं। क्षत्रिय वर्ग की बात करें तो अरविंद भदौरिया के साथ बृजेंद्र प्रताप सिंह और सीमा सिंह जादौन सबको साधने में लगे हैं। वैश्य वर्ग से हेमंत खंडेलवाल, सिंधी समाज से भगवानदास सबनानी से लेकर दलित और आदिवासी वर्ग के नेता भी प्रदेशाध्यक्ष बनना चाहते हैं। प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में ब्राह्मण, ठाकुर, वैश्य, सिंधी, आदिवासी वर्ग के कई दिग्गज शामिल हैं। वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा को करीब 4 साल 10 महीने हो चुके हैं। उनका कार्यकाल एक बार बढ़ाया गया था।

नरोत्तम मिश्रा का नाम पहले नंबर पर

अगर ब्राह्मण की सीट ब्राह्मण से रिप्लेस की जाती है तो पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का नाम पहले नंबर पर है। नरोत्तम केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के करीबी हैं और संगठन के साथ ब्राह्मण वर्ग में अच्छी पैठ रखते हैं।

दूसरा नाम डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला का है। राजेंद्र शुक्ला विंध्य इलाके से आते हैं और रीवा से पांचवी बार के विधायक हैं। विंध्य से लेकर बुंदेलखंड तक उनका सीधा जुड़ाव है। वे प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए प्रयासरत हैं। ब्राह्मण वर्ग के दावेदारों में तीसरा नाम वर्तमान विधायक और पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस का है। ब्राह्मण वर्ग के साथ महिला कोटे को प्रधानता मिली तो अर्चना की लॉटरी लग सकती है। 2006 से लेकर अब तक के भाजपा प्रदेश अध्यक्षों को देखें तो सत्यनारायण जटिया के बाद ब्राह्मण और ठाकुर दोनों ही वर्गों से प्रदेश अध्यक्ष बनते आए हैं। ऐसे में

संभावना ये है कि वीडी शर्मा के बाद क्षत्रिय वर्ग से अगला अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया का नाम शुमार है। भदौरिया बीजेपी के संगठन मंत्री रह चुके हैं। संघ और बीजेपी के नेताओं के सहारे प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचने के लिए प्रयासरत हैं।

दूसरा नाम पन्ना से विधायक और पूर्व मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह का है। बृजेंद्र का नाम विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और वीडी शर्मा की तरफ से आगे बढ़ाया गया है। वहीं, क्षत्रिय वर्ग की महिला दावेदारों में प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन शामिल हैं। वे संगठन के साथ ही केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की भी करीबी मानी जाती हैं।

प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल का नाम भी चर्चा में हैं। खंडेलवाल वैश्य वर्ग से आते हैं। उनके पिता और वे सांसद भी रह चुके हैं। बीजेपी की राजनीति के केंद्र में रहे सिंधी समाज से आने वाले भोपाल दक्षिण-पश्चिम सीट से विधायक भगवानदास सबनानी का नाम भी प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में शामिल है। सबनानी वर्तमान में बीजेपी के प्रदेश महामंत्री भी हैं। भोपाल की हुजूर सीट से बीजेपी के विधायक रामेश्वर शर्मा भी प्रदेश अध्यक्ष की रेस में शामिल हैं।

मप्र में यदि प्रदेश अध्यक्ष के लिए आदिवासी वर्ग को प्राथमिकता दी गई तो मंडला सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को कमान मिल सकती है। कुलस्ते इस बार केंद्र सरकार में मंत्री नहीं बनाए गए हैं। आदिवासी वर्ग के दूसरे नेताओं में राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी और शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह भी इस रेस में हैं। हिमाद्री सभी दावेदारों में सबसे कम उम्र की नेता हैं।

एमपी में बीजेपी का पॉलिटिकल बैलेंस

सीएम डॉ. मोहन यादव ओबीसी वर्ग से आते हैं। उन्हें ओबीसी वर्ग के शिवराज सिंह चौहान की जगह मुख्यमंत्री बनाया गया है। वहीं उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ब्राह्मण और दूसरे डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा अनुसूचित जाति वर्ग से आते हैं। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर क्षत्रिय समाज से आते हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल में फग्गन सिंह कुलस्ते की जगह दो आदिवासी सांसदों दुर्गादास उईके और सावित्री ठाकुर को राज्यमंत्री बनाया गया है। सीएम ओबीसी वर्ग से आते हैं ऐसे में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की जगह अब सामान्य वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष बनने की संभावना ज्यादा है।

कैसे होगा प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव?

बीजेपी के जिलाध्यक्षों की पहली सूची में 50 प्रतिशत से ज्यादा जिलों के अध्यक्ष घोषित हो जाएंगे। पहली सूची जारी होने के तुरंत बाद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव कराने के लिए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को प्रदेश का बीजेपी चुनाव अधिकारी बनाया है। धर्मेंद्र प्रधान मध्यप्रदेश के 50त्न जिलाध्यक्षों की घोषणा होने के बाद भोपाल आएंगे इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम जारी होगा।

परीक्षा फीस में बढ़ोतरी की तैयारी, छात्रों की जेब पर पड़ेगा सीधा असर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने नए साल 2025 के लिए परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। पहली परीक्षा 15 फरवरी से शुरू होगी, जिसमें स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी। पूरे वर्ष में कुल 15 भर्ती परीक्षाएं और 5 प्रवेश परीक्षाएं कराई जाएंगी। साथ ही, परीक्षाओं की फीस में 20त्न तक वृद्धि करने की तैयारी की जा रही है।

50 रुपए तक बढ़ सकती है परीक्षा फीस: मंडल द्वारा इसी महीने एक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें परीक्षा शुल्क बढ़ाने पर निर्णय लिया जाएगा। वर्तमान में आरक्षित वर्ग के छात्रों के लिए फीस 250 रुपए और सामान्य वर्ग के लिए 500 रुपए है। प्रस्तावित वृद्धि के बाद यह क्रमश: 300 रुपए और 600 रुपए हो सकता है। जानकारी के अनुसार, परीक्षा आयोजन के बढ़ते खर्चों को देखते हुए मंडल फीस बढ़ाने का प्रस्ताव ला सकता है। 2023 में परीक्षा शुल्क की नई व्यवस्था लागू की गई थी, जिसमें छात्रों से पूरे वर्ष में केवल एक बार शुल्क लिया जाता है। इससे पहले, प्रत्येक परीक्षा के लिए अलग-अलग शुल्क लिया जाता था। परीक्षा शुल्क में बदलाव का इतिहास3 2012 में शुरू हुई शुल्क व्यवस्था में 2023 में बदलाव किया गया। 2015 से 2022 तक के आंकड़ों के अनुसार, 7 वर्षों में 1 करोड़ 24 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इससे 424.36 करोड़ रुपए की आय हुई थी। यह बदलाव 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के बेरोजगारी पर सवाल उठाने के बाद किया गया था।

2025 में आयोजित होने वाली परीक्षाएं

फरवरी: स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा, महिला बाल विकास पर्यवेक्षक परीक्षा

मार्च: सहायक वर्ग-03 भर्ती, माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा

अप्रैल: शिक्षक चयन परीक्षा

मई: पीएमटी, एनिमल हस्बेंडरी और डेयरी डिप्लोमा प्रवेश परीक्षा

जून: महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, प्री नर्सिंग और मिडवाइफरी टेस्ट

अगस्त: सहायक उप निरीक्षक और प्रधान आरक्षक परीक्षा

सितंबर: फॉरेस्ट गार्ड और जेल पुलिस परीक्षा

दिसंबर: आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारी परीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बदले 3 गांव के नाम सीएम राइज स्कूल का किया लोकार्पण

बड़नगर में 40 करोड़ की लागत से निर्मित सीएम राइज स्कूल का लोकार्पण कर इस स्कूल का नाम अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखने की घोषणा की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बड़नगर पहुंचे। सीएम ने बड़नगर के गजनीखेड़ा में 40 करोड़ रुपए की लागत से बने सीएम राइज स्कूल का लोकार्पण किया। बड़नगर में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ा ऐलान करते हुए तीन गांवों के नाम बदलने का ऐलान किया। अब गजनीखेड़ी गांव का नाम चामुंडा महानगर होगा। मौलाना गांव का नाम विक्रम नगर और जहांगीरपुर गांव का नाम जगदीशपुर करने को कहा गया है।

सीएम मोहन यादव ने बड़नगर के सीएम राइज स्कूल का नाम भी बदल दिया है। सीएम राइज स्कूल को पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से जाना जाएगा। सीएन ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी ने बड़नगर से पढ़कर गए हैं, इसलिए स्कूल का नाम बदला गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बार फिर अपनी कला का प्रदर्शन किया। उन्होंने उज्जैन में राहगीरी उत्सव का उद्घाटन किया और %रन फॉर गुड हेल्थ% मैराथन कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। मैराथन कार्यक्रम में उन्होंने एक बार फिर लाठी चलाने की कला

का प्रदर्शन किया। इसके अलावा सीएम ने घोड़े की सवारी भी की। उन्होंने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए मॉर्निंग वॉक और योग करने की सलाह भी दी। इस दौरान उन्होंने भक्ति गीत भी गाए और लोगों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

राहगीरी उत्सव क्या है खास: इस आयोजन का मुख्य आकर्षण कोठी रोड का एक किलोमीटर लंबा मार्ग रहा, जिसे पैदल यात्रियों के लिए सजाया गया था। इस दौरान सभी ने %रन फॉर गुड हेल्थ% मैराथन में हिस्सा लिया और एरोबिक्स, योग, नृत्य और मैराथन दौड़ में भाग लिया। सड़क के दोनों ओर कंचे, रस्सी कूद, बोरी दौड़, सितोलिया और रस्साकशी जैसे कई स्थानीय खेल खेले गए। इन खेलों में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने हिस्सा लिया। इसके अलावा आयोजन में युवाओं की टोलियों द्वारा बॉडी बिल्डिंग, मल्लखंभ और अखाड़े के करतब दिखाए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दूध तलाई स्थित गुरुद्वारा साहिब पहुंचे और निशान साहिब सेवा में भाग लिया। इस अवसर पर सिख समुदाय के प्रतिनिधि मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा साहिब में गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका और गुरु अरदास में भाग लिया। सिख समुदाय ने गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों की बहादुरी को स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सिख समुदाय के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने मुख्यमंत्री को पगड़ी बांधकर स्वागत किया।

गुरुकुल परम्परा को आत्मसात कर हम फिर से बनेंगे विश्व गुरु: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने वाला गुरु ही होता है। गुरु अपने विद्यार्थी में निहित अनंत संभावनाओं को पहचान कर इसका चारित्रिक एवं शैक्षणिक विकास करते हैं। हमारी पुरातन गुरुकुल परम्परा आज भी प्रासंगिक है। आज कई विकसित देश हमारी पुरानी गुरुकुल परम्परा को अपनाकर अपने बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। हमें भी पुन: उसी गुरुकुल परम्परा से जुड़ना होगा, तभी हमारा देश फिर से विश्व गुरु बन सकेगा। हम प्रदेश में क्लास के अंदर और क्लास के बाहर भी विद्यार्थियों को जीवन एवं नैतिक मूल्य तथा व्यावहारिक शिक्षा देकर उनके समग्र विकास की ओर बढ़ रहे हैं। मजबूत इरादों और शैक्षणिक गुणवत्ता में आमूल-चूल सुधार लाकर हम प्रदेश को शिक्षा के मामले में देश का एक मॉडल एजुकेशन स्टेट बनायेंगे। इसमें शिक्षकों की बड़ी अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कलेक्टर कार्यालय, उज्जैन के एनआईसी से वर्चुअली जुड़कर स्टार्स प्रोजेक्ट के तहत अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए सिंगापुर जाने वाले चयनित शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षक हमारे लिए सदैव पूजनीय हैं, हम विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में उनकी अनंत क्षमताओं और सुदीर्घ अनुभवों का प्रदेश के शैक्षणिक विकास एवं विस्तार में अधिकतम सदुपयोग करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक परिदृश्य में हमारा इतिहास समृद्ध रहा है। नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला विश्वविद्यालयों एवं उज्जैन के सांदीपनी आश्रम सहित अन्य विश्वविख्यात शैक्षणिक संस्थाओं ने तत्कालीन समय में उच्चकोटि की शिक्षा देकर राष्ट्र को उपकृत किया। तत्समय गुरुओं में अपने विद्यार्थियों के कला-कौशल को पहचनाने की। एक दृष्टि होती थी, यही कारण था कि भगवान श्रीराम-लक्ष्मण और श्रीकृष्ण ने भी अपने गुरुओं से ही शिक्षा-दीक्षा ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आज के शिक्षकों में भी गुरु की वही दृष्टि विकसित करना चाहते हैं। सिंगापुर भ्रमण के लिए चयनित शिक्षक इस अवसर को भलीभांति समझें, पढ़ाने की नई-नई तकनीकें सीखें और लौटकर प्रदेश के विद्यार्थियों को उन तकनीकों का लाभ दिलाएं, जिससे वे अपने शैक्षणिक एवं चारित्रिक प्रदर्शन में अव्वल आएं। उन्होंने कहा कि चयनित शिक्षक विदेशी अध्ययन कराने की अच्छाइयों को सीखे, साथ ही अपने देश की अच्छाइयों को भी विश्व में बांटे, ताकि विविध शैक्षणिक संस्कृतियों एवं नवाचारों का आदान-प्रदान हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी से ही विश्व, देश और प्रदेश की पहचान बनेगी।

भारतीय साहित्य में है विश्व बंधुत्व, सामाजिक न्याय और समानता का स्वर: मंत्री निर्मला भूरिया

भोपाल। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि हमें भारत जैसे महान देश का निवासी होने और भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने का गर्व है। भारतीय साहित्य में धार्मिक, सांस्कृतिक, और दार्शनिक विचारों का विशेष महत्व है। भारतीय साहित्य केवल मनोरंजन ही नहीं करता, बल्कि यह जीवन शैली को भी बदल देता है। भारतीय साहित्य में राष्ट्र का स्वर उद्घाटित होता है। राष्ट्र गौरव का भाव भारतीय दृष्टि की विशेषता है। उन्होंने कहा कि हमारा देश सांस्कृतिक विविधता लिए हुए हैं इसलिए साहित्य को किसी एक भाषा में चिन्हित नहीं किया जा सकता। हमारे साहित्यकारों ने संस्कृत, हिन्दी, मराठी, तमिल, बंगाली, उर्दू, गुजराती, और अन्य भारतीय भाषाओं में साहित्य रचा है और लगभग हर भाषा में महिला साहित्यकारों ने अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है। मंत्री सुश्री भूरिया रविवार को भोपाल में अर्चना प्रकाशन द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय महिला साहित्यकार सम्मेलन को संबोधित कर रही थी। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा की भारतीय साहित्य में विश्व

बंधुत्व, सामाजिक न्याय और समानता का स्वर है। इसे लोगों तक पहुचाने में धार्मिक, ऐतिहासिक और राजनीतिक साहित्य का योगदान रहा है। रचनाकारों ने साहित्य को हमारे समक्ष अनेक विधाओं में प्रस्तुत किया है। सभी तरह की शैली गद्य, पद्य और कविताओं के माध्यम से जटिल से जटिल विषयों को समझाने का प्रयास किया जाता है यही साहित्य की खूबसूरती है। उन्होंने कहा की आज के दौर में जब कुछ भी और कैसा भी साहित्य छप रहा है। ऐसे में अर्चना प्रकाशन ने न केवल अपनी गुणवत्ता को बनाये रखा वरन राष्ट्रवादी साहित्य और संस्कृति को संजोये रखने वालों साहित्य के लिए अर्चना प्रकाशन ने कोई समझौता नहीं किया। भारतीय संस्कृति को सहेजने और संवारने का जो कार्य अर्चना प्रकाशन ने किया है उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाये उतनी कम है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि आदिकाल से ही विदुषियों की पद्य, सूक्तियां आदि हमारे वेद पुराणों में है। अगर हम ऋग्वेद देखें तो सत्ताइस महिला रचनाकार थी जिन्होंने सुंदर सूक्तों की रचनाएँ की है। ऐसा कोई भी प्राचीन ग्रंथ नहीं है, जिसमें महिला साहित्यकार का उल्लेख न हो। गार्गी और मैत्रेयी, लोपामुद्रा, अदिति महान दार्शनिक वैदिक ऋचाओं की दृष्टा और व्याख्याता थीं।आज पूरे देश से पधारी महिलाएं विश्वम्भरा में साहित्यिक सृष्टि-भारतीय दृष्टि पर मंथन व चिंतन करने आई हैं।

मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के नए कार्यालय का हुआ शुभारंभ

समाज के लिए सदैव सेवा एवं समर्पण भाव से काम करूंगा: कैलाश मित्तल

भोपाल। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा अग्रवाल समाज की एक प्रतिष्ठित संस्था है जो वर्ष 1976 से पंजीकृत है और निरंतर समाज के उत्थान एवं विकास में कार्य कर रही है। संस्था का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश है। जिसमें हजारों की संख्या में सदस्य शामिल है। वर्तमान में महासभा के चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न हुई। जिसमें अग्रवाल समाज ने अपना पूरा सहयोग एवं समर्थन देकर कैलाश मित्तल (जौरा) को मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा का अध्यक्ष चुना गया। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के पूर्व अध्यक्ष डी.पी. गोयल ने नवनिर्चाचित अध्यक्ष कैलाश मित्तल को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात रविवार 5 जनवरी को कैलाश् मिततल ने चुनाव कार्यालय 6, पत्रकार कालोनी, भोपाल में उपस्थित होकर चुनाव अधिकारी अधिवक्ता रवि गोयल से अपना नियुक्ति पत्र प्राप्त किया। अधिवक्ता रवि गोयल ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया पूरे विधान संवत से पूर्ण की गई है। चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कैलाश मित्तल ने नियुक्त पत्र प्राप्त कर नए कार्यालय श्रीराम टॉवर जेड-7, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल में पहुंचकर कार्यालय का शुभारंभ किया। कैलाश मित्तल ने सभी अग्रबंधुओं का हृदय से आभार व्यक्क करते हुए कहा कि सभी सदस्यों के अथक प्रयास और मेहनत के फलस्वरूप ही आज में अध्यक्ष बन पाया हूं। इस अवसर पर अध्यक्ष कैलाश मित्तल ने डॉ. रश्मि अग्रवाल को महिला प्रदेश अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया। इस अवसर पर मुकेश गोयल, महावीर गर्ग मामा, रामेश्वर अग्रवाल, शरद अग्रवाल, सौरभ गुप्ता, नितिन गुप्ता, विनीत अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, आर.पी. गुप्ता, सोनू गोयल, मनोज अग्रवाल दीवानगंज, कैलाश अग्रवाल, होरीलाल गर्ग, राहुल अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, हरिओम गुप्ता, आनंद अग्रवाल, नीता अग्रवाल, शिल्पा अग्रवाल, डॉ. रश्मि अग्रवाल महिला प्रदेश अध्यक्ष, रमा अग्रवाल, मंजू गुप्ता, रानी मित्तल, सीमा गर्ग, सहित अनेक अग्रबंधु उपस्थित हुए।

संस्कृतभारती मध्यभारत का प्रांतीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संस्कृतभारती मध्यभारत प्रांत के प्रांतीय कार्यकर्ता सम्मेलन का भव्य समापन कल दिनांक 5 जनवरी को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के प्रांगण में संपन्न हुआ। सम्मेलन के समापन सत्र में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं भोपाल दक्षिण पश्चिम के विधायक श्री भगवान दास सबनानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने समापन सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा भारतीय ज्ञान परंपरा की भाषा है। अत: यदि भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करना है तो संस्कृत का अध्ययन करना अनिवार्य है। इसके लिए उन्होंने संस्कृतभारती द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति प्रोफेसर विजय कुमार मेनन उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि भारत की सांस्कृतिक एकता के

लिए संस्कृत भाषा ही एकमात्र सूत्र है। इसलिए हम सभी को मिलकर संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार एवं अध्ययन के लिए कटिबद्ध होना चाहिए । मुख्य वक्ता के रूप में हैदराबाद से पधारे संस्कृतभारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्री दत्तात्रेय वज्रल्ली ने कार्यकर्ताओं को पाथेय प्रदान करते हुए उन्हें स्वयं संस्कृत का अध्ययन करने तथा संपूर्ण समाज को संस्कृत का अध्ययन कराने हेतु प्रेरित किया। अध्यक्षीय भाषण संस्कृतभारती मध्यभारत प्रांत के प्रांत अध्यक्ष डॉ अशोक सिंह भदोरिया ने दिया। सत्र का संचालन संस्कृत भारती मध्यभारत के प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख डॉ नीरज शर्मा ने किया। उल्लेखनीय है कि संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार के लिए कटिबद्ध संगठन संस्कृतभारती के मध्यभारत प्रांत के उत्तरदायित्ववान कार्यकर्ताओं का प्रांतीय सम्मेलन 3 जनवरी से 5 जनवरी तक आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में प्रांत के 16 जिलों से लगभग 350 उत्तरदायित्वान कार्यकर्ताओं ने भाग लिया तथा तीन दिनों में विभिन्न सामूहिक एवं गणश: सत्रों में संस्कृत के प्रचार प्रसार को के बारे में मंथन किया तथा अपनी भावी योजना तथा रणनीति तैयार की । उक्त सम्मेलन में प्रथम दिन संस्कृत में विज्ञान प्रदर्शनी तथा संस्कृत वस्तु प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। संस्कृतभारती द्वारा प्रकाशित संस्कृत साहित्य की प्रदर्शनी लगाई गई थी। सम्मेलन में समाज के विभिन्न वर्गों से प्रतिष्ठित लोगों ने भी संस्कृत कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उक्त सम्मेलन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर तथा महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के सहयोग से संपन्न हुआ सम्मेलन में प्रांत संगठन मंत्री डॉ जागेश्वर पटले प्रांत मंत्री डॉ दिवाकर शर्मा ने भी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर उन्हें उत्साहित किया। सम्मेलन में प्रांत सह मंत्री डॉ पुरुषोत्तम तिवारी , डॉ पवन द्विवेदी , डॉ बृजेश साहू, कमल चंद्र संकड़िया डॉ भरत बाथम आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

अव्यवस्थित राजधानी

मध्यप्रदेश की राजधानी होने का गर्व भोपाल को अवश्य है, लेकिन यहां आम नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं आज भी उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। आधे से अधिक शहर की सड़कों को पार्किंग ने खत्म कर दिया है, तो दुकानों और ठेलेवालों ने फुटपाथ। न वाहन सड़क पर ठीक से चल पा रहे हैं और न ही पैदल यात्रियों को राहत। सड़कों से लेकर बाजारों तक के हाल ये हैं कि खुद बच सकते हो तो बच के निकल लो।

राजधानी के पुराने हिस्से के इलाकों की पुरानी समस्या है, लेकिन नव विकसित इलाकों में हालात पुराने से भी ज्यादा खराब होते जा रहे हैं। कमलापार्क, सुल्तानिया रोड से लेकर हमीदिया रोड, न्यू मार्केट, बोर्ड ऑफिस, 10 नंबर मार्केट,

जहांगीराबाद, चूना भट्टी जैसे क्षेत्रों में फुटपाथों पर दुकानों और विज्ञापन बोर्डों ने कब्जा जमा लिया है। कोलार रोड पर तो फुटपाथों का अस्तित्व ही नहीं है। इससे सड़कें संकरी हो गई हैं और जाम की समस्या लगातार बढ़ रही है। न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि पैदल चलने वालों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि भोपाल के करीब 90 त्रतिशत फुटपाथों पर अतिक्रमण हो चुका है।

पुराने और नए भोपाल का हृदय स्थल कहे जाने वाले न्यू मार्केट की बात करें तो फुटपाथों पर बनी अस्थायी दुकानों के कारण यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। वाहन सड़क पर अनियमित तरीके से खड़े रहते हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों दोनों को परेशानी होती है। पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथों पर चलना नामुमकिन हो गया है, जिससे उन्हें सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसके चलते दुर्घटनाओं का खतरा काफी बढ़ गया है। यहां के रिहायशी इलाके मालवीय नगर का तो और बुरा हाल हो गया है, पूरा कामर्शियल हो गया है और यहां तो फुटपाथ जैसी कोई सुविधा ही नहीं है।

हबीबगंज रोड के फुटपाथों पर झुग्गियों और दुकानों का कब्जा है। इससे पैदल यात्रियों के लिए कोई जगह नहीं बची है। लोग मजबूरन सड़कों पर चलते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। यह अतिक्रमण न केवल राहगीरों के लिए असुविधाजनक है, बल्कि पूरे यातायात तंत्र को अस्त-व्यस्त कर रहा है। कमलापार्क से सोमवारा तक तो सड़क ही संकरी है, फुटपाथ तो है ही नहीं। सोमवारा से सैफिया कालेज रोड हो या सिंधी मार्केट वाला रोड, यहां से हमीदिया रोड तक सड़कों फुटपाथों पर खाने-पीने की दुकानों और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने कब्जा कर रखा है। इस कारण वाहन चालकों और पैदल यात्रियों दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन इलाकों में अक्सर जाम लग जाता है, जिससे यात्रियों का समय और धैर्य दोनों बर्बाद होता है। साथ ही, दुर्घटनाओं की संभावना भी काफी बढ़ गई है।

न्यू मार्केट से पुराने शहर को जोड़ने वाला एक क्षेत्र है, जहांगीराबाद। यहां के लिली टॉकीज चौराहे पर कपड़ों की अस्थायी दुकानों ने फुटपाथ पर कब्जा कर लिया है। ये दुकानें ही फुटपाथ पर लगी हैं और यहां आने वाले अपने वाहन सड़क पर ही खड़े करते हैं। इससे यातायात में बाधा बन रहा है। राहगीर सड़क पर चलने को मजबूर हैं, जिससे यातायात जाम और दुर्घटनाएं आम होती जा रही हैं। स्थानीय लोग इस समस्या से बेहद परेशान हैं और इसके समाधान की मांग कर रहे हैं।

भारत टॉकीज रोड, पीरगेट, हमीदिया रोड, भोपाल टॉकीज से सिंधी कॉलोनी चौराहा, रॉयल मार्केट, मोतिया तालाब रोड, चौक बाजार, लखेरापुरा, घोड़ा नक्कास, सुल्तानिया रोड, मंगलवारा, मॉडल ग्राउंड, शाहजहांनाबाद, जहांगीराबाद, नूरमहल रोड, जेपी नगर से डीआईजी बंगला चौराहा, सेंट्रल लाइब्रेरी के पास इतवारा रोड, बरखेड़ी ऐशबाग फाटक और कमला पार्क समेत कई इलाकों में अतिक्रमण से फुटपाथ पूरी तरह से गायब हो चुके हैं।

अगर नये शहर की बात करें तो न्यू मार्केट से लेकर दस नंबर, ग्यारह नंबर, बारह नंबर, शाहपुरा, त्रिलंगा और आगे विकसित होने वाले क्षेत्रों में भी यही बीमारी फैल चुकी है। कटारा, बाग सेवनिया, बाग मुगालिया वाले इलाकों से लेकर होशंगाबाद रोड के व्यस्ततम रहवासी क्षेत्रों में भी सड़क पार्किंग स्थल बने हैं और फुटपाथ बाजार। कोलार में सिक्स लेन बनाई गई है, शायद वाहनों की सुविधा के लिए नहीं। शाम के समय यह सिक्स लेन, फोर लेन भी नहीं रह पाती। सड़कों पर एक लाइन तो कम से कम वाहनों की पार्किंग के लिए होती है, कई जगह एक लेन ही चलने के लिए बच पाती है। और फुटपाथ तो जैसे वहां हैं ही नहीं, सो मुख्य मार्ग ही पैदल चलने के लिए भी होता है।

कुल मिलाकर ऐसा लगता है, मानो राजधानी का अतिक्रमणकारियों से लेकर अराजकतावादियों का ग्रहण लग गया है। कोई प्रशासन कुछ नहीं कर पाता। अधिकारी एकाध बार जाकर कुछ करते हैं, एकाध दिन ठीक रहता है, फिर वही बदहाली। नगर निगम के अधिकारियों को वसूली से फुर्सत नहीं मिलती और यातायात पुलिस हैलमेट चैकिंग से आगे नहीं निकल पाती। न सड़क और न फुटपाथ। फिर दुर्घटनाएं भी होंगी और परेशानियों का निदान भी नहीं होगा। अवैध वसूली और वोटों की राजनीति शहर की व्यवस्थाओं को चाट रही है, आम आदमी भुगत रहा है। भुगतता ही रहेगा। आंखें बंद करके सब कुछ करने और सहने की आदत जो पड़ गई है। सोते रहो, रोते रहो।

राज-काज: पूर्व मंत्री तक पहुंची सौरभ मामले की आंच

दिनेश निगम त्यागी

परिवहन विभाग में आरक्षक रहे सौरभ शर्मा पर पड़े छापे की आंच भाजपा के दिग्गज नेता पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा तक पहुंच गई है। उन्होंने सौरभ की अनुकंपा नियुक्ति के लिए अनुशंसा की थी। सौरभ के पिता स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थे। उनकी मृत्यु के बाद सौरभ की अनुकंपा नियुक्ति के लिए अनुशंसा स्वास्थ्य मंत्री के नाते नरोत्तम ने की थी। शक की सुई इसलिए उन तक पहुंच रही है क्योंकि मामला स्वास्थ्य विभाग का था लेकिन सौरभ को नियुक्ति परिवहन विभाग में मिली। ऐसा बिना लिए दिए और सिफारिश के संभव नहीं है। कर्मचारी इस विभाग में जाने के लिए कितना भी खर्च करने को तैयार रहते हैं। इस मामले में नरोत्तम की सफाई भी आ गई है। उन्होंने कहा है कि 'कानूनी रूप से क्या गलत किया। मैं उस विभाग का मंत्री था। अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन आया था। उसे कार्रवाई के लिए आयुक्त स्वास्थ्य विभाग को भेज दिया गया था। यह तो रुटीन का काम काज है। आगे क्या हुआ यह नहीं मालूम।' बड़ा सवाल यही है कि जब मामला स्वास्थ्य विभाग का था और इस विभाग में पदों की कमी भी नहीं रहती तो फिर सौरभ की नियुक्ति परिवहन विभाग में कैस कर दी गई? दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती ने कहा है कि ट्रांसपोर्ट घोटाले के तार नरोत्तम से जुड़े हैं। इनके आगे भाजपा की वाशिंग मशीन भी फेल है।

अब मीडिया विभाग की सूची फजीहत की वजह

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की किस्मत खराब है या वे खुद ऐसा कुछ कर बैठते हैं, जिससे पार्टी के साथ उनकी फजीहत हो जाती है। ताजा मामला प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग से जुड़ा है। पार्टी ने एक तरफ प्रदेश प्रवक्ताओं और मीडिया पैनलिस्ट की सूची जारी की और दूसरी तरफ उसे रद्द भी कर दिया। पहले बैठक कर सभी की सहमति से सूची तैयार हुई, उस पर जीतू पटवारी के साथ डिस्कशन हुआ और फिर सूची जारी की गई। अचानक उसे पटवारी के निर्देश पर ही रद्द कर दिया गया। इससे यह भी पता चलता है कि जीतू अभी परिपक्व नेता नहीं बन पाए हैं। बाबा साहेब की फोटो घुटने में रख कर लिखने से ऐसा लगा था और विधानसभा घेराव के लिए भीड़ जुटने पर मंच से ही गिरफ्तारी देने पर भी। प्रदेश अध्यक्ष के पास सभी अधिकार होते हैं। वे चाहते तो मीडिया विभाग की जारी सूची को रद्द करन की बजाय बाद में उसमें संशोधन कर लेते। कम से कम तत्काल मजाक तो नहीं उड़ता। चर्चा है कि सूची को कुछ प्रवक्ताओं के कारण रद्द किया गया। इन्हें पटवारी नहीं चाहते थे। सवाल है कि जब डिस्कशन हो रहा था तब पटवारी का ध्यान इन प्रवक्ताओं पर क्यों नहीं गया? यह भी कहा जा रहा है कि कुछ बड़े नेताओं के समर्थकों को अलग करने के कारण ऐसा करना पड़ा। वजह जो भी लेकिन एक बार फिर कांग्रेस मजाक का पात्र बन कर रह गई।

कचरे ने ताई, भाई के साथ जीतू को भी किया एक

भोपाल से पीथमपुर भेजे गए यूका के जहरीले कचरे का निष्पादन शुरू नहीं हुआ, इससे पहले बवाल मच गया है। कचरे ने भाजपा के प्रतिद्वंद्वी ताई सुमित्रा महाजन और भाई कैलाश विजयवर्गीय के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को भी एक कर दिया। कैलाश ने कहा था कि वे कचरे को पीथमपुर नहीं आने देंगे, फिर भी उसे पहुंचा दिया गया। विरोध न हो इसलिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कैलाश को ही बैठक बुलाकर सहमति बनाने की जवाबदारी सौंप दी। कैलाश ने बैठक कर सभी को समझाया और अधिकारियों ने भी बताया कि कचरे के निष्पादन से कोई नुकसान नहीं होगा। फिर भी पीथमपुर में भीड़ ने गदर कर दिया। दो लोगों ने आत्मदाह करने तक की कोशिश की। आंदोलन सर्वदलीय हो रहा है, इसमें भाजपा भी शामिल है लेकिन सरकार द्वारा कांग्रेस को राजनीति न करने की सलाह दी जा रही है। जबकि धरने पर भाजपा विधायक नीना वर्मा खुद बैठीं। विजयवर्गीय द्वारा बुलाई बैठक में भी उन्होंने पीथमपुर में कचरे के निष्पादन का विरोध करते हुए कहा कि इसे कहीं भी ले जाएं लेकिन पीथमपुर में स्वीकार्य नहीं। सरकार नहीं मानी तो बवाल हुआ। लिहाजा हालात देख कर फिलहाल सरकार को अपने कदम वापस लेने पड़े हैं। मुख्यमंत्री ने आपात बैठ कर बयान जारी किया और अगले दिन मुख्य सचिव को भी पीसी लेना पड़ी।

प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में इस दिग्गज का भी नाम

भाजपा जिलाध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। उत्सुकता इस बात को लेकर है कि प्रदेश का अगला अध्यक्ष कौन होगा? भाजपा के अंदर चर्चा का मुख्य मुद्दा भी यही है। प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में एक और कद्दावर नेता गोपाल भार्गव का नाम जुड़ गया है। खबर है कि इस मसले पर उनकी भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा हुई?है। भार्गव को प्रदेश में ब्राह्मण समाज का चेहरा माना जा है। मुख्यमंत्री के पद पर पिछड़े वर्ग के डॉ मोहन यादव हैं और क्षत्रिय नरेंद्र सिंह तोमर विधानसभा अध्यक्ष। प्रदेश में ब्राह्मण समाज की तादाद काफी ज्यादा है। यह समाज अन्य वर्गों में भी असर रखता है। नरोत्तम मिश्रा और रामेश्वर शर्मा का नाम इस समाज का होने के कारण ही चल रहा है। गोपाल भार्गव भाजपा में अन्य की तुलना में बडा चेहरा भी हैं। इसे देखते हुए उनके नाम पर विचार हो सकता है। सागर की राजनीति में इस समय मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और पूर्व?मंत्री भूपेंद्र सिंह के बीच घमासान के हालात हैं। भार्गव के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद संतुलन और समन्वय बन सकता है। भूपेंद्र ने कहा भी है कि कांग्रेस से आए गोविंद को मंत्री बनाया गया तो जिले से किसी अन्य विधायक को मंत्रिमंडल में लेकर संतुलन बनाया जाना चाहिए था। भार्गव के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह कमी पूरी हो सकती है।

भाजपा में कई समेटने लगे अपना बोरिया-बिस्तर

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का चुनाव अभी हुआ नहीं

और प्रदेश कार्यालय में कई पदाधिकारियों ने अपना बोरिया-बिस्तर समेटना शुरू कर दिया है। ये वे पदाधिकारी हैं जो वर्तमान अध्यक्ष वीडी शर्मा के नजदीक हैं। इन्हें लगता है कि नया अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्हें जाना पड़ेगा, इसलिए ये अभी से कहने लगे हैं कि हमने दूसरी जगह बैठने की आदत डाल ली है। दरअसल, प्रदेश भाजपा को शीघ्र ही नया अध्यक्ष मिलने वाला है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया जा चुका है। जिलाध्यक्षों की घोषणा के बाद प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। आमतौर पर नए अध्यक्ष के निर्वाचन के बाद नई कार्यकारिणी गठित होती है। इसमें सभी की सहमित से जातीय, क्षेत्रीय और गुटी संतुलन को ध्यान में रखकर पदाधिकारियों को रखा जाता है। फिर भी कुछ कार्यालयीन और प्रादेशिक पद ऐसे होते हैं जिन पर नया अध्यक्ष अपने विश्वस्त लोगों को बैठाता है। ऐसे पदों पर बैठे पदाधिकारी रवानगी की तैयारी करने लगे हैं। दूसरी तरफ प्रदेश अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों के समर्थक अभी से ये जगह पाने के लिए जोड़तोड़ में जुट गए हैं। कई?बार ऐसा भी होता है कि नया अध्यक्ष बिना फेरबदल किए पुरानी कार्यकारिणी से ही काम चलता है। हालांकि मोदी-शाह की जोड़ी हमेशा की तरह प्रदेश अध्यक्ष को लेकर भी चौंका सकती है।

वंदेमातरम की जन्म-स्थली

एन के त्रिपाठी

मुझे लक्ष्मी के साथ भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की जन्म स्थली देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जिस मेज़ और कुर्सी पर बैठकर यह लिखा गया तथा जिस मिट्टी के तेल के लैम्प के प्रकाश में यह लिखा गया, वह भी देखने का अवसर मिला। पश्चिम बंगाल के कोलकाता के निकट गंगा (हुगली) के किनारे स्थित कांतल पाडा में बंकिम चन्द्र चटर्जी (चट्टोपाध्याय) ने 1876 में अपने पैतृक निवास में यह गीत लिखा था। यह स्थान अब नइहाटी शहर में है। उनके निवास का कलकत्ता यूनिवर्सिटी द्वारा पुनरोद्धार करने के बाद उसे संग्रहालय में परिवर्तित कर दिया गया है। यहाँ उनसे संबंधित अन्य वस्तुयें और पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। 1838 में जन्मे बंकिम चन्द्र कोलकाता यूनिवर्सिटी के प्रथम ग्रेजुएट थे।1859 में वे डिप्टी मजिस्ट्रेट बन गये। उन्होंने 'बंग दर्शन' नाम की एक अत्याधिक उल्लेखनीय मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया। इसे वे अपने घर पर ही छापते थे। इसमें साहित्य के अतिरिक्त पुरातत्व विज्ञान आदि अनेक विषयों पर गंभीर लेख प्रकाशित होते थे। भारत में उस समय अग्रणी बंगाल के सभी मूर्धन्य विचारकों और

लेखकों को इसमें स्थान मिलता था। रवींद्रनाथ टैगोर की रचनाएँ भी इसमें प्रकाशित हुई थी। आठ आने मूल्य की मात्र 2 हज़ार प्रतियों की यह मासिक पत्रिका भारतीय जागृति का बड़ा माध्यम बनी। उन्होंने 14 उपन्यास और आठ अन्य ग्रंथों की रचना की। उनकी प्रथम रचना दुर्गेशनंदनी थी तथा उनके उपन्यास आनंद मठ में वंदेमातरम् को समाहित किया गया। 1894 में 56 वर्ष की आयु में राय बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय, ष्ट.ढ्ढ.श्व. का निधन हो गया।

1905 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा वंदेमातरम् को राष्ट्रगान घोषित किया गया। स्वतंत्रता संग्राम में वन्देमातरम की पंक्तियाँ आन्दोलन का प्रतीक बन गई थी। कांग्रेस ने कुछ आंतरिक विरोध के कारण 1937 में इसे अनिवार्य बाध्यता से मुक्त कर दिया। महात्मा गांधी वन्देमातरम से बहुत प्रभावित थे। परन्तु उनका यह कहना था कि इस गीत में भारत के लिए जिन अनेक विशेषणों का प्रयोग किया गया है, वास्तव में भारत वैसा नहीं है। गांधी जी का कहना था कि सभी को परिश्रम करके भारत को वैसा बनाना होगा जैसा कि वंदेमातरम् में भारत को बताया गया है। महात्मा गांधी ने लिखा था-

He (Bankim Chandra) describes Mother India as sweet-smelling. sweet-speaking, fragrant, all-powerful, all-good, truth-ful, a land flowing with milk and honey, and having ripe fields, fruits and grains, and inhabited by a race of men of whome we have only a picture in the great Golden Age. - - - - - To-day I feel that these adjectives are very largely misplaced in his description of the Motherland, and it is for you and for me to make good the claim that the poet has advanced on behalf of his Motherland. — Gandhi

भारत की स्वतंत्रता के अवसर पर 14-15 अगस्त की मध्यरात्रि को भारतीय संसद के प्रथम सत्र का प्रारंभ वन्देमातरम के गायन और समापन जनगणमन के साथ हुआ। 1950 में वंदेमातरम् राष्ट्रगीत और जन गण मन राष्ट्रगान घोषित किया गया।

नर्मदा परिक्रमा: आध्यात्मिक यात्रा का मार्ग और मानव-प्रकृति का संगम

अंकुश मिश्रा

नर्मदाया: परं तीर्थं, नास्ति भूर्लोकसत्तम।
नास्ति मोक्षप्रदा गङ्गा, यथा नर्मदया सदा॥

माँ नर्मदा से बढ़कर कोई तीर्थ नहीं है। मोक्षप्रदायिनी माँ गंगा से भी वह पुण्य फल प्राप्त नहीं होता, जो मां नर्मदा के दर्शन और परिक्रमा से प्राप्त होता है।नर्मदा परिक्रमा भारत की उन पवित्रतम यात्राओं में से एक है, जिसका उल्लेख न केवल धर्मग्रंथों में मिलता है, बल्कि यह आध्यात्मिक साधना का भी अद्भुत मार्ग है। नर्मदा को 'जीवित माता' कहा जाता है, और इस नदी के चारों ओर की परिक्रमा को मोक्षदायिनी माना गया है। यह यात्रा केवल एक भौतिक सफर नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के अंतर्मन को जागृत कर उसे आत्मिक शांति प्रदान करती है। नर्मदा परिक्रमा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि यह व्यक्ति को अपनी सीमाओं से परे जाकर प्रकृति के साथ एकाकार होने का अवसर भी देती है।

श्री आनंद भट्ट, जो मध्य प्रदेश सरकार के मंत्रालय में कार्यरत हैं, ने एक बार संतों के साथ नर्मदा के तट पर कुछ किलोमीटर की यात्रा की थी। संतों की भक्ति, उनकी साधना, और मां नर्मदा की कृपा से मिली उनकी आंतरिक शक्ति ने श्री आनंद भट्ट को गहराई तक प्रभावित किया। संतों के चेहरे पर दिखने वाली शांति, उनके चरित्र की दृढ़ता और उनका निस्वार्थ समर्पण, यह सब कुछ श्री आनंद भट्ट के हृदय में गहराई से उतर गया।

वर्ष 2022 में उन्होंने नर्मदा परिक्रमा को कार से 15 दिनों में पूरा किया। यह यात्रा उनके लिए केवल मार्ग की जानकारी हासिल करने का जरिया नहीं थी, बल्कि यह उनके भीतर एक नए संकल्प का बीज बोने वाली यात्रा थी। कार से यात्रा के दौरान उन्होंने नर्मदा तट के सौंदर्य, श्रद्धालुओं की भक्ति, और परिक्रमा पथ को निकट से देखा और अनुभव किया। लेकिन उनकी आत्मा संतुष्ट नहीं हुई।

70 दिनों में क़रीब 3300 किलोमीटर की साइकिल यात्रा का संकल्प

श्री आनंद भट्ट ने लगभग 3300 किलोमीटर की नर्मदा परिक्रमा को साइकिल से पूरा करने का संकल्प लिया है। इस यात्रा को वे 70 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखते हैं, जिसमें वे प्रतिदिन लगभग 50-55 किलोमीटर की दूरी तय करते हैं। यह यात्रा केवल एक भौतिक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मिक यात्रा है। श्री भट्ट मानते हैं कि मां नर्मदा के आशीर्वाद से हर दिन उन्हें नई ऊर्जा और नई प्रेरणा मिलती है। उनके अनुसार, यह यात्रा किसी विशेष योजनाबद्ध लक्ष्य के लिए नहीं की जा रही है। इसका कोई भौतिक परिणाम नहीं है। यह यात्रा स्वयं में एक अनुभव है, जहां प्रकृति के सान्निध्य में हर दिन नया संदेश, नया संतोष मिलता है।

नर्मदा परिक्रमा केवल यात्रा नहीं है, यह आत्मा का जागरण है

श्री आनंद भट्ट का मानना है कि प्रकृति हमें वह शांति और शक्ति देती है, जिसे हम आधुनिक जीवन की भागदौड़ में भूलते जा रहे हैं। नर्मदा परिक्रमा केवल कदमों का सफर नहीं है, यह आत्मा का जागरण है। यह यात्रा उन्हें हर दिन प्रकृति के साथ एक नया रिश्ता जोड़ने का अवसर देती है।

मानव और प्रकृति: सनातन जीवन का दर्शन

नर्मदा परिक्रमा की यात्रा हमें अनुभव कराती है

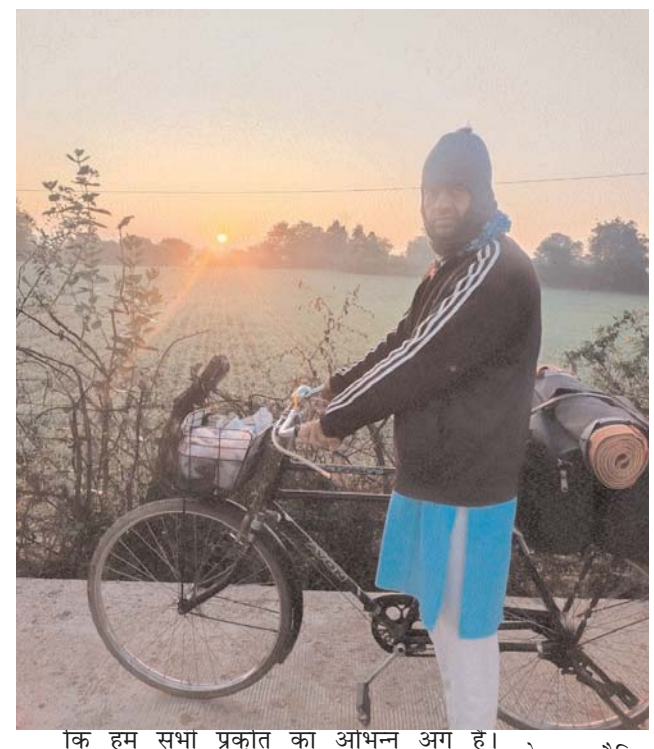

कि हम सभी प्रकृति का अभिन्न अंग हैं। आधुनिक जीवनशैली ने हमें प्रकृति से दूर कर दिया है, लेकिन हमारा अस्तित्व प्रकृति से ही जुड़ा हुआ है। जब हम प्रकृति के करीब होते हैं, तभी हमें वास्तविक शांति का अनुभव होता है। आज के दौर में युवाओं और पर्यटकों का इको-टूरिज्म और नेचर टूरिज्म की ओर बढ़ता आकर्षण यह दर्शाता है कि हमारे भीतर प्रकृति के प्रति सहज प्रेम और आकर्षण विद्यमान है। सनातन जीवन पद्धति में प्रकृति का सम्मान और उसके साथ संतुलन बनाए रखने की शिक्षा दी गई है। हमारे त्योहार, परंपराएं और रीति-रिवाज इस बात के प्रमाण हैं कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति का कितना महत्व है। नर्मदा जयंती, मकर संक्रांति, वन महोत्सव, गंगा दशहरा जैसे त्योहार केवल उत्सव नहीं हैं, बल्कि वे हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर प्रदान करते हैं। इन त्योहारों में प्रकृति के हर तत्व - जल, वायु, भूमि, आकाश - के प्रति आदर व्यक्त किया जाता है।

भारत: आध्यात्मिक ज्ञान की अमूल्य भूमि

भारत हमेशा से आध्यात्मिक ज्ञान और प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान का केंद्र रहा है। यहां के संतों, साधकों और श्रद्धालुओं ने हमेशा प्रकृति को पूजनीय माना है। श्री आनंद भट्ट जैसे लोग इस आध्यात्मिक महासागर से एक बूंद को पकड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उनकी यह यात्रा न केवल उनके लिए, बल्कि उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा है, जो आत्मिक शांति की तलाश में हैं। माँ नर्मदा की परिक्रमा हमें सिखाती है कि वास्तविक प्रगति केवल भौतिक उपलब्धियों में नहीं है, बल्कि आत्मा की शांति और प्रकृति के साथ संतुलन में है। यह यात्रा हमें यह भी सिखाती है कि जब हम प्रकृति के साथ जुड़ते हैं, तब हम अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानते हैं।

प्रकृति का सम्मान: जीवन का मूल मंत्र

नर्मदा परिक्रमा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, यह आत्मा और प्रकृति के बीच एक गहरा संवाद है। श्री आनंद भट्ट जैसे नर्मदा परिक्रमावासियों की यात्रा हमें याद दिलाती है कि हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए, उसकी देखभाल करनी चाहिए। यही जीवन का वास्तविक मार्ग है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

विधायक ने सिरोंज को जिला और रेलवे से जोड़ने के लिए दिया मांग पत्र सीएम ने दिया आश्वासन

सिरोंज। लटेरी में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री मोहन यादव को क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने सिरोंज को जिला बनाने रेलवे लाइन से जोड़ने एवं पथरिया, मुगलसराय दीपाना खेड़ा ,आनंदपुर को तहसील का दर्जा देने के साथ ही आनंदपुर में डिग्री कॉलेज खोलने की मांग के संबंध में

पत्र दिया इसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे लाइन का काम मेरे हाथ में नहीं फिर में प्रयास करूंगा बाकी जो मेरे हाथ में उनको पूर्ण करने का आश्वासन दिया है जिसके बाद सिरोंज जिला बनने की जो संभावनाएं चली आ रही है , उनमें पंख लगते ही दिखाई दे रहे ।क्योंकि विधायक के द्वारा जिला बनाने के लिए पूरी ताकत से सक्रिय हुकम उनको आगे बढ़ा रहा है। व्यापारिक संगठनों ने भी इसके समाधान में ज्ञापन दिया सिरोंज जिला बनाओ समिति ने भी सिरोंज को जला बनाने के लिए सीएम को ज्ञापन दिया। मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ मोहन यादव का पहला कार्यक्रम कार्यक्रम हुआ इसमें भारी संख्या में लोग भी आए थे। जनता के सामने मुख्यमंत्री ने अंदाज में जिले का आश्वासन दिया है। बहन जिला बनाने के लिए जिस तरह से विधायक सिरोंज को जिला बनाने की लगे हुए उसको देखते ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बरसो सपना इस बार साकार हो सकता है।

मुस्लिम विकास परिषद तवानगर के अध्यक्ष नियुक्त हुए बशारत ख़ान

नर्मदापुरम। इटारसी मध्य प्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष मोहम्मद माहिर उपाध्यक्ष शरीफ राईन की सहमति से जिला अध्यक्ष मोहम्मद अथर खान ने बसारत खान को तवा नगर का मानसेवी अध्यक्ष मनोनीत किया है। विगत दिवस भोपाल के इकबाल लाइब्रेरी हाल इक़बाल मैदान भोपाल में नर्मदा पुरम संभाग की एक आवश्यक बैठक के दौरान प्रांतीय सचिव समीम खान ने बसारत खान का स्वागत किया एवं प्रांतीय अध्यक्ष मोहम्मद माहिर ने नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि बसारत खान से उम्मीद है कि वह मुस्लिम समाज में शैक्षणिक आर्थिक और सामाजिक कार्यों के लिए मुख्य भूमिका निभाएंगे। बसारत खान को एक माह के अंदर शहर कार्यकारिणी का गठन कर सूचित करने के लिए समय दिया गया है । खान की नियुक्ति पर उनके दोस्तों, सामाजिक बंधुओं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए जिला अध्यक्ष सहित प्रांतीय पदाधिकारी काआभार व्यक्त किया ।

करंट से बाघिन की मौत, पेंच टाइगर रिजर्व ने करी जांच शुरू

सिवनी। मध्य प्रदेश में बाघों सहित चीता, तेंदुआ सहित अन्य वन्य प्राणियों के स्वछंद विचरण करने की पहचान देने वाला पेंच टाइगर रिजर्व है जहां एक और बाघिन की मौत की खबर से पेंच पार्क के आला अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। पेंच टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत का सिलसिला कुछ महीनों से लगातार जारी है इस बार बाघिन की मौत का कारण संभावित

विद्युत करंट बताया जा रहा है बाघिन की मौत से पेंच टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण और उनकी सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पेंच टाइगर रिजर्व के लिए चिंता का विषय बन गया है।

प्रारंभिक जांच में यह शक बताया जा रहा है की स्थानीय निवासियों के द्वारा जंगली जानवरों से अपनी फसल की सुरक्षा के लिए अवैध रूप से विद्युत करंट के तारों का जाल बिछाया जाता है जो इस बाघिन के लिए खतरनाक साबित हुए जिस कारण संभवतः बाघिन की मौत हुई है।

प्रदेश की जीवनदायिनी मां नर्मदा की सेवा करने से पुण्य मिलता है: संपतिया उइके

पीएचई मंत्री ने एक करोड़ की लागत से माहिष्मती घाट के सौन्दर्यीकरण के कार्यों का शुभारंभ किया

मंडला। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने प्रदेश की जीवनदायिनी माँ नर्मदा नदी को प्रणाम करते हुए कहा कि मां नर्मदा जी की सेवा करने से सभी को पुण्य लाभ मिलता है। माहिष्मती घाट में एक करोड़ की लागत से लाल बलुआ पत्थरों से घाटों का सौन्दर्यीकरण किया जाएगा।उन्होंने बताया कि माहिष्मती घाट का नामकरण और एक ट्रस्ट का निर्माण कर कार्यालय का शुभारंभ किया गया है।माहिष्मती घाट में ग्वारीघाट और प्रयागराज की तरह पंचचौकी महाआरती प्रारंभ की गई है।पंचचौकी महाआरती में जिले के जनप्रतिनिधि,अधिकारी, कर्मचारी,समाजसेवी, व्यापारीगण,पत्रकार, श्रद्धालु और नागरिकगण प्रतिदिन पंचचौकी महाआरती कर रहे हैं।मंत्री श्रीमती उइके रविवार को एक करोड़ की लागत से प्रारंभ किए गए माहिष्मती घाट के सौन्दर्यीकरण के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा असाध्य रोगों के इलाज के लिए मील का पत्थर बन रहा है : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

जटिल व कठिन ओपन हार्ट सर्जरी करने वाले चिकित्सकों को दी बधाई

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा असाध्य रोगों के इलाज के लिए मील का पत्थर बन रहा है। पहले जो कठिन व जटिल आपरेशन रीवा में नहीं होते थे और इनके इलाज की कोई विशेष सुविधा नहीं थी अब वह दूर हो गई है तथा लोगों को इलाज के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा में गत दिवस साढ़े चार घंटे तक चले जटिल व कठिन ओपन हार्ट आपरेशन करने वाले चिकित्सकों को बधाई दी तथा मरीज से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी व शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डीन मेडिकल कालेज डॉ

सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में रीवा में बेहतर इलाज के प्रबंध किए गए हैं। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में सीवीटीएस सर्जन डॉ राकेश सोनी ने साढ़े चार घंटे ओपन हार्ट सर्जरी कर मरीज के दिल का इलाज किया। वह और उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि रीवा में चिकित्सा की सभी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं ताकि रीवा मेडिकल हब बने और लोगों को इलाज के लिए अन्यत्र न जाना पड़े।

निर्माणाधीन कैंसर यूनिट का किया निरीक्षण – उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन कैंसर यूनिट का निरीक्षण किया और कार्य को तेजी से करने के निर्देश दिए।

फुटपाथ पर ठेला लगाने वाले के यहां बनाई मंगोड़ी-भजिया, बाजार के बीचों-बीच ललिता यादव ने लगाई जन चौपाल

छतरपुर। छतरपुर सदर से बीजेपी विधायक ललिता यादव ने चौक बाजार में जनचौपाल के बाद बाजार क्षेत्र का पैदल भ्रमण किया। इस दौरान एक हाथ ठेला संचालक से बात करने रुकी विधायक ने स्वयं अपने हाथों से मंगोड़ी-भजिया बनाकर उपस्थित लोगों को खिलाई।

बता दें कि विधायक ललिता यादव ने शहर के चौक बाजार बाजार पर बनाई भजिया, फुटपाथ पर सड़क किनारे ठेला/रेहड़ी लगाकर भजिया समोसा बनाने वाले के यहां मंगोड़ी/भजिया बनाई।

?यह है पूरा मामला..

रविवार को सदर विधायक ललिता यादव ने बाजार के बीचों-बीच जनचौपाल लगाकर व्यापारियों और आम जनता से संवाद किया। जनचौपाल के दौरान व्यापारियों द्वारा जो भी समस्यायें बताई गई उनका निदान कराने का भरोसा विधायक ने दिया है, साथ ही व्यापारियों से सहयोग की अपेक्षा की है।

विधायक श्रीमती यादव ने बताया कि उन्होंने जनता से हर माह मिलने का वादा किया है और इसी वादे को निभाते हुए आज जनचौपाल रखी गई है। उन्होंने बताया कि जनचौपाल में उनके समक्ष बाजार में अतिक्रमण, पार्किंग व्यवस्था, सुलभ कॉम्पलैक्स, साफ-सफाई और बिजली की समस्या रखी गई है, जिसमें से बिजली की समस्या का उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर त्वरित निदान कराया है। इसके अलावा अतिक्रमण की समस्या को लेकर उन्होंने व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल सहित यातायात प्रभारी के साथ बैठक करने की बात कही।

विधायक ने बताया कि बाजार में क्षेत्र में जाम लगने के पीछे का सबसे बड़ा कारण ई-रिक्शा और व्यापारियों द्वारा सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण हैं, जिन्हें व्यवस्थित करने की योजना बनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था बिगड़ने का एक कारण बाजार क्षेत्र में पार्किंग का न होना भी है, इसलिए बाजार क्षेत्र में एक मल्टी पार्किंग प्रस्तावित की गई है, लेकिन इसमें अभी समय लगेगा। फिलहाल वे कुछ स्थानों को चिन्हित कर पार्किंग प्वाइंट बनवाएंगी।

श्रीमती यादव ने बताया कि बाजार क्षेत्र में सड़कों का चौड़ीकरण और नालियों का निर्माण भी प्रस्तावित है जिसके टेंडर लग चुके हैं, यह काम शीघ्र संपन्न होगा। बाजार क्षेत्र के सुलभ कॉम्पलैक्स की नियमित सफाई न होने के कारण यहां गंदगी है और लोग इनका इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, जिसके लिए विधायक ने सफाई व्यवस्था कराने की बात कही।

जनचौपाल में छतरपुर के विकास पर बात करते हुए विधायक ने कहा कि हमारी सरकार लगातार विकास कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज, यूनिवर्सिटी का नया भवन और अस्पताल के विकास कार्य जारी हैं, जबकि महोबा रोड पर नया ऑडिटोरियम, पत्रकार भवन, नया बस स्टैण्ड, नया सर्किट हाउस और आधुनिक सुविधाओं से लैस खेल मैदान का कार्य प्रस्तावित है, जो जल्द पूरे कराए जाएंगे। जनचौपाल के दौरान भाजपा नेता एवं नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेन्द्र चौरसिया, व्यापारी नेता लालू लालवानी के अलावा नगर पालिका और बिजली विभाग की टीम, व्यापारी तथा गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

डॉ स्वाति तिवारी मध्य प्रदेश लेखक संघ और बावीसा ब्राह्मण समाज के उत्कृष्ट साहित्यकार सम्मान से सम्मानित

भोपाल। मध्य प्रदेश की सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ स्वाति तिवारी आज भोपाल में दो सम्मानों से नवाजी गई। मध्य प्रदेश लेखक संघ द्वारा आयोजित 31 वें वार्षिक सम्मेलन में उन्हें डॉक्टर सरोजिनी कुलश्रेष्ठ कहानी सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही एक अन्य समारोह

में उन्हें अखिल भारतीय बावीसा ब्राह्मण समाज द्वारा डॉ मूलाराम जोशी उत्कृष्ट साहित्यकार सम्मान 2024 से भी सम्मानित किया गया। उन्हें इस पुरस्कार के रूप में 11000 रुपए की राशि, शाल,श्रीफल और प्रशस्ति पत्र प्रदत्त किया गया। मध्य प्रदेश लेखक संघ द्वारा आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि आईसेक्ट यूनिवर्सिटी के चांसलर संतोष चौबे और वरिष्ठ समाज सेवी रघुनंदन शर्मा थे। उल्लेखनीय है कि डॉ स्वाति तिवारी को मध्य प्रदेश लेखक संघ द्वारा पूर्व में भी समग्र लेखन के लिए पुष्कर सम्मान और देवकीनंदन सम्मान प्राप्त हो चुके है। अखिल भारतीय बावीसा ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में पूर्व मंत्री दीपक जोशी और समाज के केंद्रीय संगठन के अध्यक्ष इंजीनियर नरेंद्र प्रसाद व्यास मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। बता दें कि डॉक्टर स्वाति तिवारी देश की 100 महिला अचीवर्स के रूप में भारत सरकार द्वारा चयनित होकर राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित हो चुकी है।उन्हें राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, प्रतिष्ठित लाडली मीडिया अवार्ड के साथ ही मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय और प्रादेशिक पुरस्कार मिल चुके हैं। वे अग्रणी न्यूज़ पोर्टल मीडियावाला की फीचर एडिटर भी है।

व्यापार महासंघ के चुनाव संपन्न

विपिन तिवारी बने अध्यक्ष

गंज बासौदा (सांध्य प्रकाश)। रविवार को व्यापार महासंघ का निर्वाचन शांति पूर्वक अनाज तिलहन व्यापार संघ के कार्यालय हितकारिणी धर्मशाला में सम्पन्न हुआ। निर्वाचन के लिए सुबह 10 बजे से 3 बजे तक मतदान का समय रखा गया था परंतु मतदान के लिए कुल 220 मतदाताओं ने 2 बजे तक ही अपने मतों का उपयोग कर लिया ओर व्यापार महासंघ के चुनाव में 100 प्रतिशत मतदान हुआ। कुछ समय के बार मतों की गिनती प्रारंभ हुई और मतों की गढ़ना पांच चरणों में संपन्न हुई। निर्वाचन अधिकारी निर्मल कुमार जैन द्वारा मतों की गढ़ना का निर्णय प्रति चरण बार सुनाया गया। जिसमें अध्यक्ष पद पर विपिन तिवारी को 220 मतों में से 118 मत प्राप्त हुए जबकि उनके विरुद्ध खड़े हुए मनोज डागा को 100 मत प्राप्त हुए और 2 मत निरस्त पाए गए।

इसी प्रकार वरिष्ट उपाध्यक्ष पद के लिए अजय जैन जनसेवा को 109 मत प्राप्त हुए वहीं अखिलेश वैशाखिया को 108 मत प्राप्त हुए तो 3 मत निरस्त भी हुए। महामंत्री पद हेतु मुकेश अरोरा को 127 मत प्राप्त हुए तो महेश समैया मट्टू को 90 मत प्राप्त हुए तो वहीं 3 मत निरस्त भी पाए गए। कोषाध्यक्ष पद के लिए अशोक जैन 133 मत प्राप्त हुए तो वहीं अमन शर्मा को 84 मत प्राप्त हुए और 3 मत निरस्त हो गए। सह मंत्री पद के लिए संजय भावसार 113 मत प्राप्त हुए तो वहीं सुमित जैन को 105 मत प्राप्त हुए तो वहीं 2 व्यापारियों के मत निरस्त भी हुए। उप मंत्री पद हेतु विशाल अग्रवाल को 164 मत प्राप्त हुए तो दिनेश कुशवाह को मात्र 53 मत ही प्राप्त हुए और 3 मत निरस्त भी हुए।

अध्यक्ष विपिन तिवारी तो महामंत्री बने मुकेश अरोरा– भारी कशमकश के बीच संपन्न हुए बासौदा व्यापार महासंघ के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए विपिन तिवारी का निर्वाचन हुआ तो महामंत्री के पद पर मुकेश अरोरा का निर्वाचन हुआ। गौर करने की बात यह है कि विपिन तिवारी के अलावा उनकी पूरी पैनल को भारी पराजय का सामना करना पड़ा जबकि दूसरी तरफ अध्यक्ष पद को छोड़कर पूरी पैनल ने भारी अंतर से विजय श्री प्राप्त की है।

व्यापार महासंघ की बैठक संपन्न, व्यापारियों ने लिए अहम फैसले

नर्मदापुरम। इटारसी व्यापार महासंगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक सिंधु भवन सिन्धी धर्मशाला में आयोजित की गई जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा कि गई ।

1, किसी भी व्यापारी द्वारा दूसरे व्यापारी के यहां से काम करने वाला कर्मचारी अगर दूसरे व्यापारी के यहां काम करने जाता है तो उसे पहले वाले व्यापारी का हिसाब किताब पूछना अनिवार्य होगा अन्यथा जो भी जवाबदारी बनेगी वह पहले वाले व्यापारी को देना होगा।

2-अगामी 2 फरवरी 2025 को आई कैंप सिंधु भवन सिन्धी धर्मशाला में रखा जाएगा जिसमें इटारसी व्यापारी महा संगठन प्रमुख भूमिका निभाएगा जिसमें कार्यक्रम का उद्घाटन उद्योगपति सतीश सांवरिया के द्वारा किया जाएगा एवं समापन

विधायक डॉक्टर सीता शरण शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष चौरे द्वारा किया जावेगा ।

3-होली मिलन का कार्यक्रम 23 मार्च 2025 को तीसरी लाइन में सराफा चौक पर आयोजित किया जाएगा जिसकी मुख्य व्यवस्था अध्यक्ष श्री मुकेश जैन एवं सचिव हरीश अग्रवाल द्वारा की जावेगी ,जिसमें जिसमें गुलाल एवं पुष्प के साथ होली खेली जावेगी एवं सोल पहाड़ की व्यवस्था रहेगी।

4- प्रत्येक माह में जनहित के लिए शिविर लगाया जाएगा जिसमें प्रथम शिविर फूड एवं नापतोल के अधिकारियों के साथ व्यापारियों की समस्या के समाधान हेतु लगाया जाएगा। कोषाध्य के विक्रांत बड़कुर ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि।

बैठक में मुख्य रूप से संयोजक धर्मदास – मिहानी, अध्यक्ष मुकेश जैन, सचिव हरीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विक्रांत बडकुल, सतीश सांवरिया, मोहन मोरवानी, मोहन चलानी, उत्तम अग्रवाल ,संजय शिल्पी युवा अध्यक्ष अर्जुन भोला सहित अन्य गणमान्य व्यापारी बंधु उपस्थित रहे ।

अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ द्वारा कैरियर गाइडेंस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

दमोह। अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी-कर्मचारी संघ आलोक के तत्वावधान में मां हरसिद्धि मंदिर प्रांगण में जिला स्तरीय कैरियर गाइडेंस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी और मुख्य वक्ता एवं आलोक संघ के राष्ट्रीय मार्गदर्शक आईआरएस जीएसटी ज्वाइंट कमिश्नर लोकेश कुमार लिल्हारे, सतेन्द्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, लोकेंद्र पटेल (लकी भैया) सहित समाज के वरिष्ठजनों की गरिमामय मौजूदगी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी और स्वामी ब्रह्मानंद के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना और माल्यार्पण से हुई। अतिथियों का स्वागत आलोक संघ के पदाधिकारियों द्वारा फूल माला, मेडल और बेच लगाकर किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा ÷युवा प्रतिभाओं को सम्मानित करना और उन्हें मार्गदर्शन देना अत्यंत प्रशंसनीय कार्य हैं। यह युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करने और उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने का कार्य करता है। आईआरएस लोकेश कुमार लिल्हारे ने करियर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ÷करियर का चयन जीवन का एक बड़ा निर्णय है। यह न केवल व्यक्ति की जीवनशैली को प्रभावित करता है बल्कि समाज में उसकी स्थिति भी निर्धारित करता है। बच्चों को शिक्षित करना और परिवार को शिक्षा के प्रति जागरूक बनाना समाज और परिवार दोनों के विकास के लिए आवश्यक है। इस कार्यक्रम में 2024-25 में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले लगभग 300 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

मप्र के इस चमत्कारी कुंड में स्नान करने मात्र से पूरी हो जाती हैं अधूरी प्रेम कहानी

आजकल के समय में प्यार करना तो आसान है, लेकिन उसे निभाना बेहद कठिन हो जाता है। अक्सर हम यह सुनते हैं कि प्रेमी-प्रेमिका के बीच किसी तीसरे के आने की वजह से रिश्तों में तनाव पैदा हो जाता है, जिससे कभी-कभी ब्रेकअप तक की स्थिति बन जाती है। ऐसे हालात में दोनों ही पार्टनर्स मानसिक परेशानी और डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं। लेकिन अगर आप भी अपने रिश्ते को हमेशा के लिए मजबूत और खुशहाल रखना चाहते हैं, तो मध्य प्रदेश के एक खास कुंड के बारे में जानिए, जहां की मान्यता है कि वहां स्नान करने से प्रेमी जोड़ों के बीच कभी कोई विवाद नहीं होता। आइए जानते हैं भदैया कुंड के बारे में और उसके चमत्कारी प्रभावों के बारे में।

भदैया कुंड –मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले का चमत्कारी स्थल– यह कुंड मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित है और इसे प्यार बढ़ाने वाले कुंड के नाम से भी जाना जाता है। भदैया कुंड के बारे में यह मान्यता है कि अगर कोई प्रेमी-प्रेमिका इस कुंड में स्नान करते हैं, तो उनका प्यार हमेशा के लिए मजबूत हो जाता है और उनके रिश्ते में कभी भी कोई विवाद या परेशानी नहीं आती। इस कुंड का पानी अपनी

खासियत के कारण प्रसिद्ध है, और यहां की अनोखी शक्ति के बारे में लोग कई तरह की कथाएँ सुनते आए हैं।

भदैया कुंड से जुड़ी मान्यता– यहां की मान्यता के अनुसार, बहुत समय पहले, दो प्रेमी जोड़े जो अपने रिश्ते से तंग आ चुके थे, यहां आए थे। उन्होंने इस कुंड में स्नान करने के बाद तपस्या की और भगवान से यह वरदान मांगा कि जो भी प्रेमी जोड़े यहां स्नान करेंगे, उनका रिश्ता कभी भी टूटेगा नहीं। तभी से यह मान्यता प्रचलित हो गई कि यहां स्नान करने से प्रेमी-प्रेमिका का रिश्ता हमेशा मजबूत और अमर रहता है।

कब और कैसे जाएं भदैया कुंड– भदैया कुंड का पानी खासकर बरसात के महीने में आता है। अन्य समय में यहां पानी की कमी रहती है। इस कुंड में चट्टानों के बीच से पानी आता है, जो अपनी विशेषता के लिए प्रसिद्ध है। इसे ÷लव वॉटर÷ भी कहा जाता है, और यह पानी विदेशों तक भी भेजा जाता है। मान्यता के अनुसार, जो भी कपल इस पानी को पीते हैं, उनके बीच कोई भी लड़ाई-झगड़ा नहीं होता।

अगर आप अपने रिश्ते को मजबूत बनाना चाहते हैं और दोनों के बीच प्यार और समझ को कायम रखना चाहते हैं, तो भदैया कुंड का पानी आपके लिए मददगार हो सकता है। इस पानी में स्नान करने से और इसे पीने से कपल्स के बीच रिश्तों में सामंजस्य बना रहता है और प्यार कभी फीका नहीं पड़ता।

न्यायालय नायब तहसीलदार बैरागढ चीचली वृत्त तहसील कोलार भोपाल म.प्र.

प्रकरण क्रमांक – 0760/16652/24

इश्तहार

आवेदक सुमन उइके पत्नि श्री आनंद उइके निवासी वार्ड 24 पेट्रोल पंप के पास रसुलिया द्वारा ग्राम दौलापुरा स्थित खसरा नंबर 149 150 151, 155 156 157 क्षेत्रफल 4.0 600 हेक्टेयर का विकयपत्र / फौती/वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव आवेदक के उपरोक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो इस इश्तहार के जारी होने के दिनांक 06/11/2024 के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
तहसील- कोलोर भोपाल
जिला-भोपाल

सोशल मीडिया से

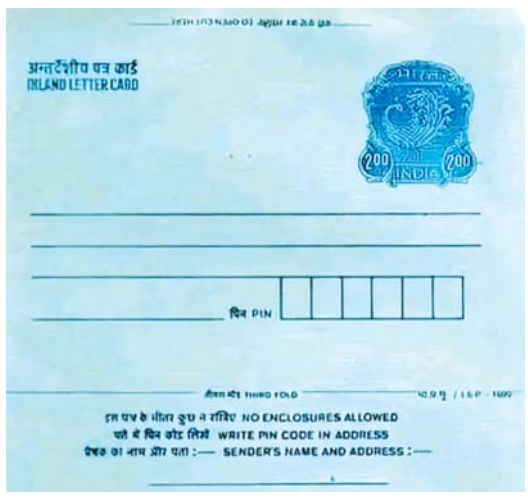

खो गईं वो चिट्ठियाँ जिसमें लिखने के सलीके छुपे होते थे कुशलता की कामना से शुरू होते थे। बडों के चरण स्पर्श पर खत्म होते थे...!!

और बीच में लिखी होती थी जिंदगी
नन्हें के आने की खबर
माँ की तबियत का दर्द
और पैसे भेजने का अनुनय
फसलों के खराब होने की वजह...!!

कितना कुछ सिमट जाता था एक
नीले से कागज में...

जिसे नवयौवना भाग कर सीने से लगाती
और अकेले में आंखो से आंसू बहाती !

माँ की आस थी पिता का संबल थी
बच्चों का भविष्य थी और
गाँव का गौरव थी ये चिठ्ठियां

डाकिया चिठ्ठी लायेगा कोई बाँच कर सुनायेगा
देख-देख चिठ्ठी को कई-कई बार छू कर चिठ्ठी को अनपढ भी एहसासों को पढ़ लेते थे...!!

अब तो स्क्रीन पर अंगूठा दौडता हैं
और अक्सर ही दिल तोड़ता है
मोबाइल का स्पेस भर जाए तो
सब कुछ दो मिनट में डिलीट होता है...

सब कुछ सिमट गया है 6 इंच में
जैसे मकान सिमट गए फ्लैटों में
जज्बात सिमट गए मैसेजों में
चूल्हे सिमट गए गैसों में

और इंसान सिमट गए पैसों में

स्वस्थ किशोरी ही, आगे चलकर बनती है स्वस्थ माँ: उप मुख्यमन्त्री श्री शुक्ल

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ जन-जागरूकता भी ज़रूरी

- **यूनिसेफ की गतिविधियों में सरकार प्रदान करेगी पूर्ण सहयोग**

भोपाल। उप मुख्यमन्त्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि एमएमआर और आईएमआर की स्थिति में सुधार के लिये किशोरियों के स्वास्थ्य की जाँच और सुधार के प्रयास, गर्भावस्था के पूर्व और गर्भावस्था के दौरान महिलाओं की नियमित जाँच के साथ प्रसव पश्चात निगरानी अहम है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ किशोरी आगे चलकर स्वस्थ माँ बनती है। इसके लिये विभागीय प्रयासों के साथ सामाजिक संगठनों, आमजनों का सहयोग अपेक्षित है। ताकि गर्भवती महिलायें और किशोरियाँ अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। परिवारजन उन्हें सहयोग प्रदान करें। शत-प्रतिशत संस्थानिक प्रसव सुनिश्चित करने के लिये जन-जागरूकता ज़रूरी है। उप मुख्यमन्त्री श्री शुक्ल ने यूनिसेफ भोपाल कार्यालय में भ्रमण कर मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में यूनिसेफ द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री साय ने ऑटो एक्सपो 2025 के पोस्टर का किया विमोचन

इस तारीख से साइंस कालेज ग्राउण्ड में होगा आयोजन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से रायपुर आटोमोबाईल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने इस दौरान 15 जनवरी से 15 फरवरी तक साइंस कालेज ग्राउण्ड में आयोजित ऑटो एक्सपो 2025 के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित थे।

एसोसिएशन के अध्यक्ष रविन्द्र भसीन एवं प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ऑटोएक्सपो 2025 के उद्घाटन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। भसीन ने सीएम को बताया कि इस एक्सपो में छत्तीसगढ़ के प्रमुख ऑटोमोबाइल व्यवसायी भाग लेंगे।

प्रदर्शनी में दोपहिया, चारपहिया, कमर्शियल वाहन, ट्रैक्टर डीलर्स, फाइनेंसर, ऑइल एजेंसी सहित ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न श्रेणियों के 200 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। इस दौरान नवीनतम वाहनों का प्रदर्शन किया जाएगा और लोगों को नई तकनीक की जानकारी दी जाएगी।

छत्तीसगढ़ के प्रभतेज भाटिया संभालेंगे BCCI का खजाना, बनेंगे कोषाध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ (सीएससीएस) के पूर्व अध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया का बीसीसीआई कोषाध्यक्ष बनना लगभग तय माना जा रहा है। बीसीसीआई की वेबसाइट पर जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, कोषाध्यक्ष पद के लिए आवेदन शनिवार शाम 4 बजे तक स्वीकार किए गए थे। इस दौरान केवल प्रभतेज भाटिया ने इस पद के लिए नामांकन भरा। भाटिया के अलावा किसी अन्य उम्मीदवार ने दावेदारी पेश नहीं की, जिससे उनका चयन तय माना जा रहा है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा 12 जनवरी को की जाएगी। यह पहली बार होगा जब बीसीसीआई में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व होगा।

आपको बता दें कि प्रभतेज भाटिया ने जिस कोषाध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया है, वो आशीष शेलार द्वारा पद छोड़े जाने के बाद खाली हुआ था। शेलार ने हाल ही में महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। वहीं बीसीसीआई के सचिव पद के लिए देवजीत सैकिया ने नामांकन दाखिल किया। दोनों ही अपनी भूमिकाओं के लिए इकलौते उम्मीदवार हैं।

BCCI में काउंसलर रहे हैं भाटिया – प्रभतेज सिंह भाटिया 2019 में बीसीसीआई में काउंसलर के रूप में कार्यरत थे। उनके कार्यकाल के दौरान छत्तीसगढ़ को दो बार अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी का अवसर मिला। इसके अलावा, भाटिया पहले छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के निर्विरोध अध्यक्ष भी चुने जा चुके हैं। काउंसलर रहते हुए भाटिया ने कहा था कि वह छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देशभर में क्रिकेट और क्रिकेटरों की प्रगति के लिए समर्पित रहेंगे।

जय शाह के बाद अंतरिम सचिव बने सैकिया

देवजीत सैकिया एक दिसंबर से बीसीसीआई के अंतरिम सचिव का दायित्व निभा रहे हैं। यह पद तब खाली हुआ जब जय शाह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन बने। बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बोनी ने सैकिया को अंतरिम सचिव के रूप में नियुक्त किया था।

चुनाव प्रक्रिया और नामांकन की स्थिति

बीसीसीआई की वेबसाइट पर जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन आवेदन शनिवार शाम 4 बजे तक जमा किए जा सकते थे। सैकिया और भाटिया ने समयसीमा के अंदर अपने नामांकन दाखिल किए।

नए कोषाध्यक्ष के लिए मांगे गए थे आवेदन

पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद संभालने के लिए बीसीसीआई का कोषाध्यक्ष पद छोड़ दिया। इसके बाद बोर्ड ने नए कोषाध्यक्ष के लिए आवेदन आमंत्रित किए, जिसमें प्रभतेज भाटिया इकलौते उम्मीदवार रहे।

भारतीय महिलाओं के पास दुनिया का 11 फीसदी सोना, इतना कई देशों का गोल्ड रिजर्व भी नहीं

नई दिल्ली। भारत में सोने का सांस्कृतिक और परंपरिक महत्व बहुत गहरा है, खासकर महिलाओं के बीच, जो सोने के आभूषणों से गहरा लगाव रखती हैं। शादी जैसे समारोहों में सोने का विशेष स्थान होता है, चाहे वह दुल्हन के गहनों की बात हो या मेहमानों के सजने-संवरने की। यही कारण है कि भारतीय महिलाओं के पास सोने का एक विशाल भंडार मौजूद है।

भारत में सोने का भंडार- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, भारतीय महिलाओं के पास दुनिया के कुल सोने का लगभग 11त्र हिस्सा है, जो लगभग 24,000 टन के आसपास है। यह आंकड़ा भारतीय महिलाओं के सोने के भंडार को दुनिया के शीर्ष पांच देशों के संयुक्त स्वर्ण भंडार से भी अधिक बना देता है।

उदाहरण के तौर पर, अमेरिका के पास 8,000 टन, जर्मनी के पास 3,300 टन, इटली के पास 2,450 टन, फ्रांस के पास 2,400 टन, और रूस के पास 1,900 टन सोना है। इन देशों के भंडार को मिलाने पर भी यह आंकड़ा भारतीय महिलाओं के सोने के भंडार से कम होता है।

दक्षिण भारत में सोने की अधिकता- ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय परिवारों के पास दुनिया के कुल सोने का 11त्र हिस्सा है। दक्षिण भारतीय महिलाएं इस मामले में अग्रणी हैं, क्योंकि दक्षिण भारत में भारत के कुल सोने का 40त्र हिस्सा है, और इसमें अकेले तमिलनाडु का योगदान 28त्र है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की 2020-21 की स्टडी के अनुसार, भारतीय परिवारों के पास लगभग 21,000 से 23,000 टन सोना था, जो 2023 तक बढ़कर लगभग 24,000 से 25,000 टन (या 25 मिलियन किलोग्राम) तक पहुंच चुका था। यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति बन चुका है और सकल घरेलू उत्पाद (त्रष्ठक्क) के 40त्र हिस्से का योगदान देता है।

भारत का गोल्ड रिजर्व और ऋक्चढ्ढ का योगदान- भारत सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (ऋक्चढ्ढ) भी लगातार सोने के भंडार में वृद्धि कर रहे हैं। नवंबर 2023 तक, ऋक्चढ्ढ के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर 10.2त्र हो गई थी। केंद्रीय बैंक का कुल गोल्ड रिजर्व 876.18 टन तक पहुंच चुका है, जो पिछले साल के मुकाबले 9त्र ज्यादा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण विकासशील देशों, जैसे भारत, अपने गोल्ड रिजर्व को बढ़ा रहे हैं ताकि वित्तीय संकट के दौरान उनकी अर्थव्यवस्था को सहारा मिल सके। कुल मिलाकर, भारत में सोने का सांस्कृतिक महत्व और आर्थिक संदर्भ दोनों ही अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं, और यह देश की आर्थिक मजबूती में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बेरोक और निडर: शार्क्स के सामने 'फे ब्यूटी' का पिच!

मुंबई, एजेंसी। सुंदरता का मतलब सिर्फ एक ही तरह से दिखना नहीं है। हर इंसान अपने आप में खूबसूरत है, चाहे वो कैसा भी दिखे। खूबसूरती के इसी मिशन को आगे ले जाने के लिए फे ब्यूटी ने शार्क टैंक इंडिया 4 में कदम रखा है। करिश्मा केवलरामानी द्वारा शुरू की गई फे ब्यूटी ऐसे उत्पाद बनाती है जो प्राकृतिक होते हैं और आपकी त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाते। ये उत्पाद आपको आपकी प्राकृतिक खूबसूरती को बढ़ाने में मदद करते हैं। शार्क टैंक इंडिया में कंपनी अब इसलिए आई है ताकि वह ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच सके और सौंदर्य उद्योग में बदलाव ला सके।

शुरूआती मुश्किलों के बावजूद, करिश्मा की कहानी धैर्य और दूरदृष्टि का प्रतीक है। उनके ब्रांड ने ब्यूटी की दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है, जो न केवल उनकी अटूट मेहनत और समर्पण को दर्शाता है, बल्कि चुनौतियों को अवसरों में बदलने की उनकी क्षमता को भी साबित करता है। भारतीय स्किन टोन के लिए खासतौर से बनाए गए उत्पादों और सबको साथ लेकर चलने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने ग्राहकों के दिल में एक खास जगह बनाई है। करिश्मा की यह प्रेरणादायक यात्रा हर मंच पर लोगों को प्रभावित करने का दम रखती है। 1 प्रतिशत इक्विटी के लिये 1 करोड़ रूपये की बड़ी मांग के साथ फे ब्यूटी ने अपनी सोच तथा उत्पाद श्रृंखला पर भरोसा दिखाया है। अब दर्शक सोच रहे हैं कि क्या शार्क्स इस अभिनव ब्रैंड में निवेश करेंगे।

फे ब्यूटी की फाउंडर करिश्मा केवलरामानी ने अपने अनुभव पर बात करते हुए कहा, ''शार्क टैंक इंडिया में शार्क्स के सामने पिचिंग करना सचमुच किसी सपने के जैसा अनुभव होता है। मुझे कहना ही होगा कि शूटिंग से पहले मैं बहुत रोमांचित थी और जानती थी कि मेरे पास कहने के लिये एक अनूठी कहानी तथा बताने के लिये ऐसा ब्रैंड है, जो सौंदर्य उद्योग में वाकई बदलाव लेकर आ सकता है। मेरा मानना है कि हर किसी को दिखने, सुने जाने और प्रतिनिधित्व का अनुभव मिलना चाहिये। किसी भी प्रकार की त्वचा वाले व्यक्ति को खूबसूरत दिखने का एहसास होना चाहिये।

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने सर्वोच्च बिक्री मात्रा हासिल की

मुंबई, एजेंसी। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड भारत में स्टील ट्यूब्स और पाइप्स का प्रमुख निर्माता, वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही और समाप्त हुए नौ महीनों के लिए अपने अद्वितीय बिक्री प्रदर्शन की घोषणा करते हुए खुशी महसूस कर रहा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के लिए 1,24,233 मेट्रिक टन की सर्वोच्च सेल्स वाल्यूम हासिल की, जो कि वर्ष दर वर्ष की प्रभावशाली 26.10 प्रतिशत वृद्धि का प्रतिनिधित्व करती है। वित्त वर्ष 2025 के अंत तक नौ महीनों के लिए, बिक्री मात्रा 3,69,415 एमटी तक पहुंच गई, जो की शानदार वर्ष दर वर्ष 30.33 प्रतिशत वृद्धि दर्शाती है। इस वृद्धि में एक महत्वपूर्ण योगदान कंपनी के सौर टॉर्क ट्यूब्स का था, जिसने सेल्स वाल्यूम को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद भारत में सौर ऊर्जा क्षेत्र के तीव्र विस्तार के कारण तेजी से मांग में हैं। अपनी टिकाऊता, सटीकता और कड़े औद्योगिक मानकों के अनुपालन के लिए जाने जाने वाले हाई-टेक पाइप्स के सौर टॉर्क ट्यूब्स बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए पसंदीदा विकल्प बन गए हैं। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, श्री अजय कुमार बंसल, चेयरमैन, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड, ने कहा, हम तिमाही और वित्त वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में देखी गई मजबूत बिक्री गति से खुश हैं।

बाट्रोनिक्स इंडिया लिमिटेड बोर्ड की 8 को बैठक

मुंबई, एजेंसी। बाट्रोनिक्स इंडिया लिमिटेड (बीएसई- 532694, एनएसइ- एएसएमएस), जो परिवर्तनकारी आईटी समाधानों में अग्रणी है, ने घोषणा की है कि इसका बोर्ड 8 जनवरी 2025 को बैठक करेगा, जिसमें टेपीडब्ल्यू ग्लोबल सिंगापुर बेस्ड सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस कंपनी के साथ एमओयू करने पर विचार करेगा। पहले, कंपनी ने एंपिवो स्मार्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड में 6.47 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी। एंपिवो हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित एक नई पीढ़ी की डिजिटल हेल्थ-टेक कंपनी है, जो गहरे सामाजिक प्रभाव डालने वाले नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करती है। कंपनी की स्थापना 11 मई 2022 को हुई थी और इसका मूल्य 75.76 करोड़ रुपये रखा गया था। इस निवेश का उद्देश्य व्यापार में विविधता लाना और स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकी में प्रवेश करना है। 24 वर्षों में, बाट्रोनिक्स ने परिवर्तनकारी आईटी समाधानों में अग्रणी भूमिका निभाई है, नवाचार और विशेषज्ञता को जोड़ते हुए डिजिटल युग में व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए। बाट्रोनिक्स स्वास्थ्य देखभाल में एआई और मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करते हुए एक प्रमुख डेटा को सेवा (डैस) प्रदाता के रूप में क्रांति ला रहा है।

बी.आर. गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आईपीओ 7 जनवरी को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। बी.आर. गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, जो सड़क निर्माण और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में ईपीसी ठेकेदार और निर्माण सेवा प्रदाता के रूप में विशेषज्ञता रखता है, 07 जनवरी 2025 को अपना प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव खोलने का प्रस्ताव करता है। कंपनी 63,12,000 इक्विटी शेयरों के ताजा इश्यू के माध्यम से 85.21 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखती है, जिसे बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। इस इश्यू का आकार 63,12,000 इक्विटी शेयर है, जिनका अंकित मूल्य 10 प्रति शेयर है, और मूल्य सीमा 128 - 135 प्रति शेयर निर्धारित की गई है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग पूंजी व्यय की आवश्यकता, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता, अधिग्रहण और अन्य रणनीतिक पहलों के माध्यम से जैविक वृद्धि के लिए खर्चों को वित्तपोषित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर बिडिंग 06 जनवरी, 2025 को खुलेगी और इश्यू 09 जनवरी, 2025 को बंद होगा।

रॉकिंग स्टार यश ने टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का पोस्टर किया रिलीज़, अपने जन्मदिन पर सरप्राइज का वादा किया

नया पोस्टर हुआ रिलीज

रॉकिंग स्टार यश, जिन्होंने अपने केजीएफ फ्रेंचाइज़ के साथ भारतीय सिनेमा की सीमाओं को तोड़ते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए, उन्होंने अपनी अत्यधिक प्रत्याशित आगामी फिल्म, टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के लिए एक पोस्टर जारी किया है। पोस्टर, जो रहस्यमयता, अनियंत्रित ऊर्जा से भरपूर है, सुपरस्टार के जन्मदिन के मौके पर फिल्म के निर्माताओं द्वारा एक खास सरप्राइज की झलक देता है।

सुपरस्टार ने सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा किया और कैप्शन दिया, अनलीशिंग हिम..., जिसमें यश को एक व्हाइट टक्सीडो जैकेट और एक फेडोरा में दिखाया गया है, जो एक विंटेज कार के पास झुका हुआ है और धुएं के एक छल्ले को उड़ा रहा है। टैगलाइन, उनकी अनियंत्रित उपस्थिति आपके अस्तित्ववादी क्राइसिस का कारण है, एक गहरे और रहस्यमय यात्रा की ओर इशारा करती है।

पोस्टर एक अंतरराष्ट्रीय एस्थेटिक को उजागर करता है, जो उत्सुकता को जन्म देता है और इस आगामी सिनेमाई दिग्गज में क्या शामिल है, इसके बारे में अटकलें लगाता है। रहस्यमय संदेश, जो गहरे, अस्तित्ववादी आकर्षण से भरपूर है, एक ग्रिटी और आकर्षक कथा की ओर इशारा करता है और 8-1-25 की तारीख और 10-25 बजे के समय पर ध्यान आकर्षित करता है, जब निर्माता सरप्राइज का अनावरण करने का वादा करते हैं।

ग्रोन-अप्स के लिए एक फेयरी टेल के रूप में टॉक्सिक अपनी तीव्र, संवेदनशील कहानी सुनाने के साथ शैलियों को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

जैसे-जैसे उनका जन्मदिन नजदीक आ रहा है, प्रशंसक 2025 के सबसे बड़े सिनेमाई खुलासों में से एक के लिए तैयार हो रहे हैं।

केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के तहत वेंकट के. नारायण और यश द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है, जो एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित फिल्म निर्माता हैं। कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता, जिनमें राष्ट्रीय पुरस्कार और संडांस फिल्म फेस्टिवल में वैश्विक फिल्म निर्माण पुरस्कार शामिल हैं, गीतू मोहनदास एक बड़े मनोरंजनकर्ता को वितरित करने का वादा करते हैं।

दाल-अनाज की खपत पांच फीसदी घटी, भारतीयों की प्राथमिकता पोषण के बजाय साफ-सफाई और खूबसूरत दिखना

मुंबई। पिछले 12 वर्षों में भारतीय परिवारों की खर्च प्राथमिकता में काफी बदलाव आया है। नतीजतन, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दालों और अनाज की खपत पांच फीसदी से अधिक घटी है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि लोग खाद्य के बजाय गैर-खाद्य पदार्थों पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं।

रिपोर्ट में सामने आए रुझान दर्शाते हैं कि भारतीय परिवारों को पोषक खानपान के बजाय साफ-सफाई और खूबसूरत दिखने के सौंदर्य प्रसाधनों पर खर्च करना ज्यादा पसंद आ रहा है। कपड़ों, जूतों जैसी चीजों पर खर्च करने में भी कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह रुझान आर्थिक विकास और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्राथमिकताओं में आए बदलाव को दर्शाता है। शहरों के मुकाबले गांव ज्यादा तेजी से बदले शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर व्यय ज्यादा तेजी से घटा है। पिछले 12 वर्षों के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में 5.86 फीसदी अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्र में यह आंकड़ा 2.94 फीसदी रहा। वहीं, गैर-खाद्य पदार्थों की बात करें तो ग्रामीण क्षेत्र में इस पर खर्च 5.86 फीसदी बढ़ा है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 2.94 फीसदी रही।

एनएमडीसी का सीएसआर प्रयास - मध्यप्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में ला रहा है सकारात्मक बदलाव

खंडवा, एजेंसी। दक्षिण पूर्वी एशिया में मैकेनाइज़्ड डायमण्ड खनन की एकमात्र संचालक कंपनी एनएमडीसी ने एक बार फिर से समावेशी विकास और सामुदायिक कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। एनएमडीसी ने सीएसआर पहल के तहत मध्यप्रदेश के खंडवा ज़िले में आदिवासी समुदायों के लिए उल्लेखनीय सहयोग किया है, जिसकी आजकल खूब चर्चा है।

एनएमडीसी ने इलाके के आदिवासी नागरिकों की सेवा में एक एयर-कंडीशन्ड मॉर्चुरी व्हीकल (बैकुंठ धाम वाहन) प्रदान किया। इस वाहन का प्रयोग दिवंगत व्यक्तियों के पार्शिव शरीर को अस्पताल से घर या घर से अंतिम संस्कार स्थल यानि श्मशान घाट पहुंचाने में किया जा सकेगा। एक औपचारिक समारोह के दौरान प्रदेश के आदिवासी कल्याण, आपदा राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. विजय शाह की मौजूदगी में 28 दिसम्बर 2024 को वातानुकूलित शव वाहन आधिकारिक रूप से सरकार के अधिकारियों को सौंपा गया। वाहन को खलवा और हरसुद विकासखण्ड में तैनात किया गया है।

नगर निरीक्षक रूपलाल उइके का सौसर प्रेस क्लब ने किया स्वागत

सौसर। थाने के नगर निरीक्षक एक.बी. मर्सकोले का स्थानांतर लोधीखेडा थाने में होने के कारण रिक्त स्थान पर पोलिस लाइन से रूपलाल उईके ने आकर पदभार ग्रहण कर लिया नगर निरीक्षक रूपलाल उइके का सौसर प्रेस क्लब की ओर से स्वागत किया गया इस अवसर पर अध्यक्ष वृज किशोर चांडक सलाहकार राष्ट्रपाल ढोक, सचिव गणेश हिवरकर, हंसराज बारस्कर आदि उपस्थित थे उईके ने अपराधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई कर नगर को शांतिपूर्वक बनाने की प्रयास करने का आश्वासन दिया

संभाग स्तरीय अंडर 15 क्रिकेट टीम में जिले के 2 खिलाड़ियों का चयन

छिंदवाड़ा। जबलपुर संभाग की अंडर 15 टीम में जिले के 2 खिलाड़ी अभ्युदय वर्मा व यथार्थ डेहरिया का चयन हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले माह जबलपुर में आयोजित अंतरजिला क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर संभाग स्तरीय टीम में जगह बनाई। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष जेपी सिंह सचिव आशीष त्रिपाठी व समस्त क्रिकेट प्रशिक्षकों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

55 जरूरतमंद लोगों को सांसद ने प्रदान किए चेक वितरण

छिंदवाड़ा। जरूरतमंद लोगों के लिए सांसद श्री बंटी विवेक साहू हमेशा आगे रहते हैं सांसद द्वारा जहां इलाज के लिए लोगों को राशि उपलब्ध कराई जा रही है वही अपने स्वेच्छानुदान मद से जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान की जा रही है इसी के तहत सांसद द्वारा शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र के 55 जरूरतमंद लोगों को पांच,पांच हजार की आर्थिक मदद के चेक प्रदान किए गए।

सावित्रीबाई फुले के बताएं आदर्श मार्ग पर चलेः सांसद

छिंदवाड़ा। जिला माली समाज विकास परिषद द्वारा सावित्रीबाई फुले जी की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में सांसद बंटी विवेक साहू जी का समाज द्वारा सम्मान किया गया इस अवसर पर सांसद ने सावित्रीबाई फुले जी की प्रतिमा का अनावरण कर माल्यार्पण किया । सांसद श्री साहू ने उपस्थित माली समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब संघर्ष का समय था तब महिलाओं के लिए सावित्रीबाई फुले जी ने काम किया और वंचित लोगों के लिए शिक्षा के द्वारा खोलें सांसद ने उनकी बताएं आदर्श मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।सांसद ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और प्रदेश में डॉक्टर मोहन यादव जी की सरकार है और माता बहनों के लिए के लिए, जनकल्याणकारी योजना लागू की गई है और उनके उत्थान के लिए बेहतर काम हो रहा है उन्होंने कहा कि आजादी के बाद छिंदवाड़ा में जन्मा बेटा सांसद बना है जिसमें आप सभी का आशीर्वाद है ।अनावरण कार्यक्रम में सांसद ने माली समाज भवन, समाज द्वारा पिछडे, गरीब, शोषित वर्गो के लिये किये गये सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक क्षेत्र मे सराहनीय योगदान के लिये प्रशंसा की।

आउटसोर्स, अस्थाई कर्मचारी करेंगे कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

छिंदवाड़ा। नौकरियों में लागू आउटसोर्स, अस्थाई प्रथा ने जिले के हजारों आउटसोर्स, अस्थाई कर्मचारियों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है, उन्हें न जिंदा रहने लायक वेतन मिलता है और न ही नौकरी में सुरक्षा है। यह नौकरियां देकर सरकार ने संविधान में मिले समान काम-समान वेतन का अधिकार छीन लिया है। कामगार वर्ग को रोजगार में सुरक्षा एवं सम्मानजनक वेतन देने के लिए बनाए गए श्रम कानूनों पर अमल नहीं हो रहा है, जिस कारण ही 5 साल में पुनरीक्षित होने वाला न्यूनतम वेतन 10 साल बाद किया।

जनसंपर्क कार्यालय के कर्मचारी सरयाम का निधन

छिन्दवाड़ा। जिला जनसंपर्क कार्यालय छिंदवाड़ा में पदस्थ हेल्पर असाडूलाल सरयाम का रविवार की शाम दु:खद निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे।श्री सरयाम के निधन पर जिला जनसंपर्क कार्यालय के अधिकारियों और कमर्चारियों ने गहन शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। जनसंपर्क स्टाफ ने श्री सरयाम के परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। स्व. श्री सरयाम का अंतिम संस्कार उनके पैतृक निवास ग्राम साजकुही में सोमवार 6 जनवरी की सुबह 10 बजे किया जाएगा। उनके निधन पर छिंदवाड़ा प्रेस एसोसिएशन ने शोक संवेदना व्यक्त की ।

12 जनवरी से 19 जनवरी तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं

खेल महाकुंभ से जिले की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगाः विवेक साहू

छिंदवाड़ा। भाजपा खेल प्रकोष्ठ के तत्वावधान में सांसद खेल महाकुंभ का 12 जनवरी से 19 जनवरी तक आयोजन किया जा रहा है जिसमें विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा इसको लेकर सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने जिले भर के स्कूलों से आए सभी खेल अधिकारियों की पूजालॉन में बैठक लेकर उनसे चर्चा की और सांसद खेल महाकुंभ में सभी स्कूलों के विद्यार्थियों को विभिन्न खेलों में भाग लेने के प्रेरित करने के लिए कहा। सांसद ने कहा की सांसद खेल महाकुंभ से जिले की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, इस मंशानुसार अनुसार खेल महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि जिले का हर बच्चा, विद्यार्थी इसमें भाग ले । सांसद ने कहा कि बच्चों के अंदर जो प्रतिभाएं छुपी रहती है जब उन्हें अवसर मिलता है तो सामने आती है इस महाकुंभ में प्रयास करेंगे कि हर स्कूल का बच्चा इसमें भाग लें और उन्हें अवसर मिले यह खेल महाकुंभ विवेकानंद जयंती युवा दिवस 12 जनवरी प्रारंभ हो रहा है,सांसद ने सभी अभिभावकों से निवेदन किया है कि वे सांसद खेल महाकुंभ में भाग लेने के लिए अपने बच्चों को प्रेरित करें और प्रतियोगिता से जुड़े । सांसद ने कहा कि मेरा प्रयास रहेगा कि छिंदवाड़ा के खिलाड़ी राष्ट्रीय ,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकर अपने माता-पिता स्कूल का नाम रोशन करें। बैठक में महापौर विक्रम आहके,जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस. बघेल, वरिष्ठ भाजपा नेता राजू नरोटे,नितिन खंडेलवाल एवं जिले भर के स्कूलों के खेल अधिकारी उपस्थित थे।

इन खेलों का किया जा रहा आयोजनः सांसद खेल महाकुंभ में आयोजित किए जा रहे विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में फुटबॉल क्रिकेट टेनिस बॉल, कबड्डी, वालीबाल, कैरम, बास्केटबॉल, शतरंज, हॉकी, खो खो, बैडमिंटन, पावरलिफ्टिंग वेटलिफ्टिंग, बॉडीबिल्डिंग, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस , साइकिलिंग, एथलेटिक्स कुश्ती, हैंडबॉल योगासन, तीरंदाजी , बुशू, स्केटिंग, रस्साकस्सी, दिव्यांगजन खेल प्रतियोगिता, रोप स्किपिंग, नेट बाल, पतंग प्रतियोगिता , शूटिंग, मैराथन आदि शामिल है जिसमें प्रतियोगिता के विजेता,उप विजेता खिलाड़ियों और टीमों को प्रमाण पत्र ट्रॉफी मेडल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

विद्यालय स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताः सांसद खेल महाकुंभ के तहत विद्यालय स्तर पर कक्षा 1 से 5 ,6 से 7 तथा 9 से 12 तक के समस्त विद्यालयों में खेलकूद प्रतियोगिताओं का संचालन 10 जनवरी तक किया जावेगा जो विद्यालय स्तर तक सीमित होगा । इसके पश्चात विभिन्न खेल 12 जनवरी से 19 जनवरी के मध्य 32 खेलों की जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का संचालन किया जाएगा 12 जनवरी से आरंभ होने वाले खेलों हेतु खिलाड़ियों को आवश्यक रूप से पंजीयन फॉर्म भरना होगा जिसकी अंतिम तिथि 8 जनवरी तय की गई है। बैठक के अंत में खेल महाकुंभ संयोजक नितिन खंडेलवाल एवं खेल प्रकोष्ठ संयोजक अंकित सोलंकी ने आभार व्यक्त किया ।

संग्रहालय निर्माण स्थल पर सामग्री पहुंचाने के नाम पर ठेकेदार ने कटवाए महुए के पेड़

पर्यावरण के नाम पर ढोंग रचने वाले एक बार फिर आए चुप्पी साधे नजर

छिन्दवाड़ा। पर्यावरण के उद्देश्य को लेकर एक पेड़ मां के नाम पर वृक्षारोपण अभियान देशभर में चलाया गया। जिसके तहत देशभर में जमकर वृक्षारोपण किया गया, लेकिन तामिया में इसी अभियान के एकदम विपरीत आचरण अपना कर बरसों पुराने फलदार वनोपज देने वाले हरे भरे पेड़ों को काटने का अंतहीन सिलसिला तामिया में जारी है। उदाहरण के तौर पर तामिया सीएम. राइज स्कूल निर्माण में अनुमति की आड़ में आम वा फलदार महुआ के पेड़ काटे जा चुके है। इसी तरह आईटीआई कॉलेज जो पाटन ग्राम में बन रहा ह ।उसम भा वनापज दन वाल महुए के पेड़ों की वली दे दी गई। ऐसा सिर्फ इसलिए हो सका कि पेड़ों पर नियंत्रण रखने वाले पटवारी तहसीलदार कोटवार जानते वूझते हुए भी इन पेड़ काटने वालों पर कार्रवाई नहीं कर सके। लेकिन इससे भी ज्यादा गंभीर मामला तामिया के भारिया ढाना मैं संग्रहालय निर्माण कार्य जिसमें पेड़ तो नहीं है, लेकिन ठेकेदार की निर्माण सामग्री ले जाने के लिए वाहन गुजरना है ।उस रास्ते पर ठेकेदार ने आंगनबाड़ी हैंड पंप एवं कुएं के पास दो महुआ के पेड़ कटवा डाले, जिससे समझा जा सकता है कि ठेकेदार को स्थानीय प्रशासन का तनिक भी भय नहीं है ।कि उन्होंने वनोंपज पर देने वाले महुआ के पेड़ को काटकर सिद्ध कर दिया कि तामिया में ठेकेदार प्रशासन पर पूरी तरह हावी है। उन्हें पटवारी तहसीलदार का संरक्षण प्राप्त है ।शायद इसी बलबूते अनावश्यक रूप से पेड़ नहीं काटा जा सकता था जबकि इस मार्ग पर इतनी जगह है कि इन महुआ के पेड़ों को बगैर काटे भी इनकी निर्माण सामग्री निर्माण स्थल तक पहुंच सकती थी लेकिन ठेकेदार ने वनोपज देने वाले महुआ के पेड़ काटना ज्यादा उचित समझा। इतना ही नहीं ठेकेदार का दुस्साहस देखिए की पेड़ को बैटरी के माध्यम से रहवासी क्षेत्र म आरा ब्लड स काटकर वहा पर पटक रखा है। इससे पता चलता है कि ठेकेदार को किसी का भय नहीं है। इस तरह संग्रहालय निर्माण स्थल ठेकेदार पर प्रकरण दर्ज कर पेड़ काटे जाने संबंधी कार्रवाई की जानी चाहिए क्योंकि मोहल्ले वालों ने बतलाया कि ठेकेदार ने यह पेड़ कटवाए हैं। हम चाह कर भी कुछ नहीं कह पाए जबकि यह महुआ के पेड़ कुंटलो महुआ बनोपज के रूप में हम गरीबों को देते थे लेकिन उनके काटे जाने से पर्यावरण के साथ-साथ प्रतिवर्ष हमें आर्थिक हानि हमेशा उठानी पड़ेगी। इस तरह संग्रहालय निर्माण ठेकेदार ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का खुला उल्लंघन कर अनावश्यक रूप से पेड़ काट डाले।

पोलिथिन की पन्नी में दी जा रही चाय

इससे कैंसर होने की सम्भावना

होशियार होटल वाले भूरे रंग की एक पन्नी अलग से देते है जिससे पता न चले कि पोलिथिन में चाय दी

छिंदवाड़ा। पोलिथिन की पन्नी में चाय देने का चलन है, नगर की सभी होटलों में पन्नी में गरम चाय दी जा रही है यह सवविदित है कि पोलिथिन की पन्नी में चाय देने से कैंसर जैसी गम्भीर बीमारी फैलती है गरम चाय में पोलिथिन के बारिक कण शरीर में जाते है, जिससे कैंसर होने की सम्भावनयें होती है। पिछले कई दिनों से इसे बन्द करने के लिए हमारी मूहिम चल रही है, जो समाचार छपते है उसे हम नगर निकायों के कमिश्नर एवं सी.एम.ओ को भेजते है किन्तु अभी तक जिले का कोई नगर निकाय जागा नहीं है। समाचार छपने से होटल वाले थोड़े होशियार हो गये है, वे पोलिथिन चाय देने के बाद एक भूरे रंग की पन्नी देते है जिसमें भरकर पोलिथिन वाली चाय ले जाते है जिससे दिखता नहीं है कोई पालिथिन में चाय ले जा रहा है, पोलिथिन में चाय देने की बिमारी छिंदवाड़ा जिले में अकेली नहीं प्रदेश स्तर पर है इसके लिए प्रदेश शासन को जागना होगा।

जाम सांवली पद यात्रा करने वाले भक्तों ने बाटा भंडारा में प्रसाद

अमरवाड़ा। प्रतिवर्ष वर्ष के अंत में अमरवाड़ा से पदयात्रा करते हुए सैकड़ो नवयुवा के जाम सांवली तीर्थ को जाते हैं वहां से आने के पश्चात अमरवाड़ा के हृदय स्थल फव्वारा - शहीद चौक में जाम सांवली हनुमान जी के भक्तों के द्वारा प्रति शनिवार को सायं काल भंडारा करके प्रसादी का वितरण किया जाता है यहां पर भक्तों की भारी भीड़ लगी देखी जा सकती है।

गणतंत्र दिवस समारोह मनाये जाने की दृष्टि से बैठक आज

छिन्दवाड़ा। गणतंत्र दिवस समारोह शांतिपूर्वक व गरिमामय रूप से मनाये जाने की दृष्टि से विचार विमर्श के लिये 6 जनवरी दिन सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया है । कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा इस बैठक में सभी संबंधितों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

कड़कती ठंड में बेसहारा परिवार का सहारा बनी राष्ट्रीय हिन्दू सेना

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय हिंदू सेना जिला अध्यक्ष यमन साहू ने बताया है कि हम हमारे घरों में सुरक्षित होते हैं परंतु जो लोग अपना घर छोड़ चौक चौराहो पर अपना जीवन यापन करने के लिए अपने परिवार के सदस्यों के साथ रहते हैं उनकी चिंता करना हमारा कर्तव्य बनता है साथ ही ऐसे सेवा रूपी कार्यक्रम संगठन हमेशा करते रहता है राष्ट्रीय हिन्दू सेना की पहल सेवा ही समर्पण है प्रतिवर्षानुसार इस बर्ष भी असहाय बैसाहारा लोगों को सेवा ही समर्पण मान कर राष्ट्रीय हिन्दू सेना के सदस्यों ने छिंदवाडा नगर में कड़कतीं ठंड का कहर को देखते हुए मंदिरों के सामने बैठे,जिला अस्पताल,रेलवे स्टेशन,बस स्टैंड मे बैठे बैसाहारा लोगों को कंबल गर्म कपडे एंव हाथ के मोंजे टोपा वितरण किए इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी नरेन्द्र साहू जी, राष्ट्रीय हिंदू सेना जिला उपाध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव छात्र परिषद जिलाध्यक्ष विजय गौली, नगर अध्यक्ष ऋषि लाला,कुलविंदर सिंह, मयंक सोनी,शुभम सनोदिया वैभव साहू संजय ऊईके मिहिर लालवानी रत्नेश विश्वकर्मा, समीर ताम्रकार विशाल नरवरे आकाश पटेल पूनम डहरिया एंव राष्ट्रीय हिंदू सेना के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसपीएल में हल रोज हो रही चौकों छक्कों की बारिश

दर्शकों का रोमांच चरम पर, टूट रहे रिकार्ड पर रिकार्ड

सिवनी। सिवनी प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का आठवां दिन बड़ा ही रोमांचक रहा पूरा ग्राउंड दशकों से भरा हुआ जहां चार-चार मुकाबले दोनों ही वर्ग के खेले गए वेतरन वर्ग में पहला मुकाबला सिंघम बनाम शाइनिंग स्टार के मध्य हुआ जिसमे सिघम ने पहले बेटिंग करते हुए 85 रन बनाए जवाब में शाइनिंग स्टार ने 5 विकेट गाकर 87 रन बना कर यह मैच जीत लिया इस मैच की मैन ऑफ द मैच 5 विकेट लेने वाले महेश उइके रहे।

दूसरा मैच एक्स आर्मी और जैस 11 के मध्य खेला गया जिसमें एक्स आर्मी ने पहले बैटिंग करते हुए 61 रन बनाये, जवाब मे जैस के धाकड़ बल्लेबाज बलधर यादव ने 3.2 ओवर में ही शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए यह मैच जीत लिया इस मैच के मैन ऑफ द मैच रहे बलधर यादव जिन्होंने 51 की पारी खेली।

तीसरा मैच ट्राइबल और जीएससी क्लब की मध्य खेला गया जिसमें ट्राइबल ने पहले बल्लेबाजी करते 65 रन बनाए जवाब में जीएस सी क्लब ने मात्र 5.1 ओवर मे ही मैच जीत लिया इस मैच के मैन ऑफ द मैच रहे जितेंद्र सोनी जिन्होने 12 रन बनाकर 2 विकेट लिए।

चौथा मैच यलगार क्लब और ब्रदर्स क्लब के मध्य खेला गया जिसमें यलगार क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 86 रन बनाए ब्रदर्स क्लब ने अंतिम ओवर में यह मैच 91 रन बना कर जीत लिया इस मैच के मैन ऑफ द मैच साजिद खान रहे जिन्होंने 8 रन बनाकर 3 विकेट भी लिए। ओपन वर्ग के अंतर्गत आज का पहला मुकाबला बंडोल हीरोज विरूद्ध न्यू पॉपुलर के मध्य खेला गया जिसमें न्यू पॉपुलर ने 8 ओवरों पर 99 रन बनाकर 100 रन का लक्ष्य बंडोल हीरोज़ को दिया राजा खान बखारी ने शानदार बल्लेबाजी करते 61 रन बनाकर अपनी टीम को विजयश्री दिलाई, इस मैच के मैन ऑफ द मैच राजा बखारी रहे,

दूसरा मुकाबला बींझावाड़ा और अफरोज वाइल्डलाइफ के मध्य हुआ, बिन्झावाडा की तरफ से मोनू मुजम्मिल ने शानदार 49 उनकी पारी खेल कर 4 चौके और 5 छक्के लगाए और 126 रन पर टीम को ले जाकर खड़ा किया ,वह जवाब में अफरोज वाइल्डलाइफ की टीम 91 रन ही बना पाई और यह मैच बींझावाडा क्लब ने जीत लिया इसके मैन ऑफ द मैच मोनू मुजम्मिल रहे,

दर्शन करने जा रहे यात्री के साथ मारपीट सिर में आई गंभीर चोट

पुलिस ने मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी का जुलूस निकालकर आरोपीय

युवक से बुलवाय अपराध करना पाप है पुलिस हमारी बाप है

दमोह शहर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत गढ़ी मुहल्ले में शनिवार सुबह फैमिली लेकर सागर से बांदकपुर दर्शन करने जा रहे पवन कुमार पिता केशव कुमार उम्र 36 यूपी हाल सागर निवासी के साथ मारपीट और लोहे का कुंदा सिर में मार देने से युवक बुरी तरह घायल हो गया, जिसे तत्काल मौजूद साथियों द्वारा इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल लाकर उपचार किया गया. इसी दौरान निःस्वार्थ गौ प्रमुख दीपक नेमा और हिंदू संगठन के अंजू खत्री, राम मिश्रा के अलावा और भी हिंदू संगठनों को खबर लगी तत्काल वह भी जिला अस्पताल पहुंचे. जहां घायल और मौजूद लोगों से जानकारी ली. इसके बाद तत्काल सिटी कोतवाली ले जाकर मारपीट करने वाले आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कराया. घटना की जानकारी कलेक्टर सुधीर कुमार और पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी को मिलने पर तत्काल एडिशनल एसपी संदीप मिश्रा और एसडीएम प्रभार संभाले एनके चौरसिया को सिटी कोतवाली भेजा, जहां उन्होंने घायल से जानकारी ली.पुलिस ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि घायल पवन कुमार पिता केशव कुमार उम्र 36 निवासी यूपी हाल सागर केंट द्वारा रिपोर्ट लेख करायी थी कि वह परिवार के साथ बांदकपुर जा रहा था, तो रास्ते में चमन चौराहा के पास एक स्कूटी चालक जुनेंद खान द्वारा शराब पीने के लिये रूपयो की मांग की गयी, मना करने पर गंदी-गंदी गालियां देकर मारपीट की गयी है. प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्र. 23/25 धारा 126 (2), 296, 115(2), 119(1), 351 (2) बी.एन.एस., 3(1) द, 3(1)ध, 3(2)वीए एससी/एसटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया. पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देश पर एएसपी व सीएसपी के मार्गदर्शन में प्रकरण की विवेचना के दौरान थाना कोतवाली टीम आरक्षक ओमप्रकाश रैकवार द्वारा आरोपित की तत्काल तलाश कर आरोपित को गिरफ्तार कर रविवार शाम आरोपित को सिटी कोतवाली से बिना वाहन के पैदल टीआई आनंद राज, आरक्षक नरेंद्र पटेरिया, आरक्षक आकाश पाठक, आरक्षक रूपनारायण, नवीन द्वारा जिला अस्पताल ले जाया गया. जहां मेडिकल परीक्षण उपरांत पैदल ही माननीय न्यायालय में पेश कर जेल भेजा.

अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई- शहर के बांदकपुर-कुंडलपुर-कटनी मार्ग गढ़ी मोहल्ला के समीप सड़क किनारे किए हुए अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए रविवार पुलिस-प्रशासन, जेसीबी नपा अमला के साथ पहुंचा, जहां किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया जा रहा था. कुछ पट्टी व टीन शैड हटाए गए. तभी मुस्लिम समुदाय ने आगे आकर कहा कि साहब हम लोगों को समय दो, हम जन स्वयं आपके बताएं अनुसार अतिक्रमण हटा लेंगे. जहां पुलिस-प्रशासन तत्काल ही वापस आ गया. इस दौरान पथरिया एसडीएम दमोह का प्रभार संभाले एनके चौरसिया, तहसीलदार रॉबिन जैन, सीएमओ नगर पालिका प्रदीप शर्मा, आरआई नीलेश, अभिषेक जैन, विकास तिवारी, प्रधान आरक्षक प्रमोद चौबे, सहित पुलिस बल और नगरपालिका अमला मौजूद रहा।

एक साल में छतरपुर की तस्वीर बदल कर दिखाएंगे

जनचौपाल में जनसमस्याएं सुनकर बोलीं विधायक ललिता यादव

छतरपुर। छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने आज चौक बाजार में जन चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी और उनका त्वरित निराकरण करने का भरोसा दिया। उन्होंने पार्किंग आदि की समस्या सुलझाने मौका मुआयना किया। उन्होंने कहा कि एक साल में छतरपुर की तस्वीर बदल कर दिखाएंगे।

विधायक श्रीमती ललिता यादव ने कहा कि आप सभी ने 4 बार उन्हें आशीर्वाद दिया। इसलिए महाराजा छत्रसाल की नगरी को संवारना हमारा दायित्व है। अगर हम काम करेंगे तो सेवा का फल भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि ई-रिक्शा से बाजार में यातायात की बहुत बड़ी समस्या है। इसका समाधान एक हफ्ते में कर देंगे। बाजार में पार्किंग की भी बहुत बड़ी समस्या है। चौक बाजार का हाल भी पुराने भोपाल जैसा न हो जाए। चुनाव के पहले उनसे पार्किंग की मांग की गई थी। आज वे मौके पर ही इस समस्या के निराकरण के मूड में हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग की पुरानी बिल्डिंग की जगह मल्टी पार्किंग बनेगी। गल्ला मंडी में नगर पालिका की दुकानों नीचे बने बेसमेंट को पार्किंग के लिए वे देखने जा रहीं हैं। इस दौरान कोतवाली के पास पीडब्ल्यूडी के प्लॉट में पार्किंग का सुझाव आने पर उन्होंने इस पर विचार का भरोसा दिया। विधायक ने कहा कि समस्या की सबसे बड़ी जड़ अतिक्रमण के कारण है। जनचौपाल में भी व्यापारियों ने स्वीकार किया कि वे अतिक्रमण करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा ही रहा तो बाजार में कोई सामान लेने नहीं आएगा। विधायक श्रीमती ललिता यादव ने निवेदन किया कि वे अपना सामान दुकान के अंदर रखकर व्यवस्था में सहयोग करें। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण की समस्या सुलझाने सोमवार दोपहर 12 बजे व्यापारीगण और ट्रैफिक प्रभारी के साथ बैठक जाएगी। विधायक श्रीमती ललिता यादव ने बताया कि बाजार में नाली निर्माण और सड़क चौड़ीकरण का टेंडर हो गया है जल्दी ही काम शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि बजरिया में भी बहुत समस्या है। बाजार में लघुशंका की समस्या पर उन्होंने कहा कि बाथरूम तो बन जाएंगे लेकिन सफाई नहीं होगी तो कोई नहीं जाएगा। इसलिए उन्होंने मौके पर मौजूद नपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेंद्र चौरसिया से एक सफाईकर्मी कल से बाथरूम साफ करने लिए तैनात करने और रामचरित मानस के पास अलावा शुरू करने के लिए निर्देशित किया।

विधायक श्रीमती ललिता यादव ने बताया कि यूनिवर्सिटी कैंपस के पास 32 एकड़ में 95 करोड़ से नई जेल बन रही है। नौगांव रोड और सागर रोड पर डिवाइडर बनाया जाएगा। विधायक ने बताया कि शहर के तालाबों के सौंदर्यीकरण, जीर्णोद्धार का काम शुरू होगा। फल मंडी भी शिफ्ट होगी। बाजार में ऑडिटोरियम की मांग उठने पर उन्होंने कहा कि बाजार में ऑडिटोरियम नहीं बना सकते। हमने एक बहुत बड़े ऑडिटोरियम के लिए महोबा रोड पर जगह देखी है।

भोपाल। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने आज ओल्ड कैंपियन मैदान में अंतर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री विश्वास सारंग भी मौजूद रहे।

टी टी नगर स्टेडियम में 28 वे तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का शुभारंभ खेल एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने किया। इस अवसर पर विभिन्न जिलों के बच्चों के द्वारा अपनी अपनी परिस्थितियों दी।

मध्यप्रदेश में बिजली और महंगी करने की तैयारी, 25 लाख उपभोक्ताओं पर होगा असर

भोपाल। प्रदेश की बिजली कंपनियों ने प्रदेश में बिजली दरों में बढ़ोतरी के लिए टैरिफ याचिका दायर की है। इसमें कई ऐसे प्रस्ताव हैं, जो मध्यम वर्ग पर भारी पड़ सकते हैं। कंपनियों ने 151 से 300 यूनिट बिजली खपत के स्लैब को खत्म करने की सिफारिश की है। इस स्लैब के खत्म होने से 25 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं को ऊंची दरों पर बिजली बिल चुकाने पड़ेंगे।

मध्यप्रदेश, देश में सबसे महंगी बिजली दरों वाले राज्यों में से एक है। यह सरप्लस पावर स्टेट है, यानी यहां बिजली की उपलब्धता मांग से ज्यादा है। इसके बाद भी बढ़ते खर्च और ट्रांसमिशन लॉस के कारण बिजली कंपनियां कभी फायदे में नहीं आ पाईं। ऐसे में एक बार फिर बिजली कंपनियों ने 4,107 करोड़ रुपए के घाटे का हवाला देते हुए 2025-26 में बिजली दरों में 7.52ब की बढ़ोतरी की मांग की है।

हालांकि, कंपनियों की मांग यहीं तक सीमित नहीं है। राज्य विद्युत नियामक आयोग में पेश की गई टैरिफ याचिका में कई ऐसे प्रावधान हैं, जो मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। इधर, इन प्रस्तावों का विरोध भी जोर पकड़ रहा है। जबलपुर के सामाजिक संगठनों और कांग्रेस ने इसके खिलाफ प्रदेश व्यापी आंदोलन का ऐलान किया है।

बिजली दरों में बदलाव का प्रस्ताव: बिजली कंपनियों ने प्रदेश में 151 से 300 यूनिट तक की बिजली खपत के स्लैब को खत्म करने की सिफारिश की है। यह स्लैब प्रदेश के 25 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं पर लागू होता है। अगर स्लैब खत्म करने को मंजूरी मिलती है, तो 151 से 300 यूनिट खपत करने वाले उपभोक्ताओं को वही दर चुकानी होगी, जो 500 यूनिट या उससे ज्यादा बिजली खपत करने वालों पर लागू होती है।

विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी शाखा भोपाल द्वारा किया गया अमृत परिवार मिलन कार्यक्रम

भोपाल। विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी शाखा भोपाल द्वारा अमृत परिवार कार्यक्रम— परिवार मिलन व भारत माता पूजन कार्यक्रम केन्द्र कार्यालय पर आयोजित हुआ, जिसमें खेल,गीत चर्चा हुई उसके पश्चयात भारत माता का पूजन किया गया, एवं सभी कार्यकर्ताओं ने एक उन्नत राष्ट्र के लिए संकल्पना की। कार्यक्रम में एक साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं का मिलना हुआ, इस मौके पर भोपाल नगर के नगर प्रमुख ने कहा - अमृत परिवार मिलन कार्यक्रम का उद्देश्य हमारी संस्कृति और संस्कार को संजोए रखना है। प्रत्येक परिवार भारतीय परंपरा को संरक्षित करने में अपना योगदान दे, और राष्ट्र कार्य में अपनी भी भूमिका निभाये।

रमेश विधूड़ी पर एफआईआर कराने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में छोला थाने का घेराव!

भोपाल। भाजपा के पूर्व सांसद एवं दिल्ली की कालकाजी विधानसभा प्रत्याशी रमेश विधूड़ी द्वारा कांग्रेस राष्ट्रीय नेत्री एवं सांसद श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा जी के बारे अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा सहित आम महिलाओं के प्रति अपनी सोच व गंदी मानसिकता का परिचय देकर भारतीय जनता पार्टी ने अपना चाल चरित्र और चेहरा उजागर किया है। उन्होंने कहा कि कालकाजी विधानसभा की सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना देंगे जो कि अभद्र भाषा का प्रयोग है।

इसके विरोध में कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला अपने कार्यकर्ताओं के साथ छोला मंदिर थाने पहुंचकर विधूड़ी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर थाने का घेराव किया व भाजपा विरोधी नारे लगाए व थाना प्रभारी से एफआईआर करने की मांग को लेकर जमीन पर बैठ कर विरोध किया। उन्होंने कहा कि रमेश विधूड़ी के अमर्यादित बयान से पूरी कांग्रेस व महिलाओं की भावनाओं की आघात पहुंचा है इसीलिए रमेश विधूड़ी पर बयानों के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाए अगर एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो थाने के बाहर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठेंगे। थाना प्रभारी छोला मंदिर ने आश्वासन दिया कि 24 घंटों के भीतर साक्ष्यों के आधार पर जांच कर एफआईआर करेंगें।

इस अवसर पर धर्मेंद्र विजयवर्गीय, विजेंद्र शुक्ला, अलीमुद्दीन बिल्ले, संदीप सरवैया, मो आमिर, मुजाहिद सिद्दीकी, महेश मेहरा, केशव मोरे, मुकेश पंथी, कमलेश शाक्य, रवि यादव, अनूप पांडे, नीलोफर खान आदि मौजूद थे।

मप्र में 12 जनवरी से गिरेगा मावठा

भोपाल। मध्यप्रदेश में जनवरी महीने में मावठा यानी बारिश होने का ट्रेंड है। पिछले 10 में से 8 साल मावठा गिरा है। ऐसा ही मौसम इस बार भी रहेगा। मौसम विभाग ने 12 जनवरी से प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश होने का अनुमान जताया है। ऐसा उत्तर-पश्चिम भारत में 10 जनवरी को एक्टिव होने वाले वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के असर से हो सकता है।

सोमवार सुबह प्रदेश के कई जिलों में कोहरा छाया रहा। मऊगंज जिले में विजिबिलिटी 20 मीटर रही। वहीं, भिंड के उमरी में घने कोहरे के चलते एक ट्रैक्टर पेड़ से टकरा गया। छैकुर का पुरा गांव निवासी रिंकू यादव तड़के 4 बजे ट्रैक्टर लेकर निकला था। विजिबिलिटी कम होने के कारण ट्रैक्टर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया, जिससे पहिया टूट गया। ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। रिंकू की मौके पर ही मौत हो गई। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया- मंगलवार से दिन-रात के पारे में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। अभी उत्तर भारत में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस की एक्टिविटी है।

विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में सुलभ होंगी चिकित्सा सेवाएं

पीएम जनमन योजना अंतर्गत

21 जिलों में
66 मोबाइल मेडिकल यूनिट
का

शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
द्वारा

6 जनवरी, 2025 | मुख्यमंत्री निवास, भोपाल

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मोबाइल यूनिट में सुविधाएं

- 21 जनजातीय बहुल जिलों के 87 विकासखण्डों के तीन लाख से अधिक लोगों को मिलेगा लाभ।
- नि:शुल्क चिकित्सीय परामर्श, 14 विभिन्न जांच सुविधाएं एवं 65 दवाइयां होंगी उपलब्ध।
- सिकल सेल, टीबी, एनीमिया की जांच तथा मातृ स्वास्थ्य सेवाएं।

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11146/24

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025